संपादकीय

बीसीसीआइ की बढ़ती मुश्किलें

राष्ट्र की सेवा में समर्पित

प्रभात अर्जुन

वर्ष : 5, अंक : 5
पृष्ठ : 8
रविवार 1-15 मई 2016
मूल्य : ₹2.00
हिन्दी पाक्षिक

स्वास्थ्य जगत : तकलीफों से लिवर को जरूर बचाएं ...

धर्म आस्था : ...खरीदारी नहीं दान का दिन है अक्षय तृतीया

फरीदाबाद

आर.एन.आई. नं. HARHIN/2012/41589

संपादक मनोज भारद्वाज

माता अमृतानंदमयी मठ
अमृता

इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल सांइस एंड रिसर्च सेंटर, फरीदाबाद
(2000 बेड का अस्पताल)

के शिलान्यास समारोह में आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

समय : प्रातः 9 बजे

स्थान : अमृता नगर, सेक्टर–88, फरीदाबाद

दिनांक : 9 मई 2016

विजय प्रताप सिंह
फरीदाबाद

विजय प्रताप सिंह ने किया रजत पदक विजेता को सम्मानित

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। पूर्व मंत्री महेन्द्र प्रताप सिंह के सुपुत्र विजय प्रताप सिंह ने कहा कि आज के युवा अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा सचेत हैं और वो अपने शरीर पर पूरा ध्यान देते हैं। इसी के चलते जिम व योगा केन्द्रों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। लेकिन इस सबके बावजूद जो सबसे बड़ी चीज है बदलाव की देखी गई है वो है युवाओं की बदलती सोच। कुछ समय पहले जहां युवा बॉडी बनाकर व जिम के लड़कों का दुरुपयोग किया जाता था और लड़ाई-झगड़ों में इनका इस्तेमाल किया जाता था, वहीं आज बॉडी बनाकर खेल प्रतियोगिताओं और यहां तक कि फिल्मों की ओर रुख कर रहे हैं। उक्त विचार शनिवार को एक समारोह में मिस्टर इंडिया प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने वाले राजेश भड़ाना को सम्मानित करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि राजेश भड़ाना ने मिस्टर इंडिया प्रतियोगिता में पदक जीतकर न केवल शहर का बल्कि पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। विजय प्रताप ने राजेश भड़ाना के कोच सुभाष भड़ाना का धन्यवाद किया जिन्होंने उनको तराशा और इस स्तर तक पहुंचाया। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगली बार मिस्टर इंडिया भी फरीदाबाद से ही चुना जाएगा। इस अवसर पर इंटरनेशनल कोच सुभाष भड़ाना ने कहा कि ब्राजील में होने वाली वर्ल्ड चैम्पियनशिप में फरीदाबाद का नाम रोशन हो और अधिक से अधिक बच्चे फरीदाबाद से हिस्सा लें। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद से उनके पास जो भी बच्चा आएगा, उसको वो निःशुल्क कोचिंग देंगे। आज उनके सिखाए हुए बहुत से बच्चे दिल्ली की एकेडमी से सरकारी नौकरियों में लगे हुए हैं और वो चाहते हैं कि फरीदाबाद के बच्चे भी अपनी खेल प्रतिभाओं के दम पर सरकारी नौकरियों का हिस्सा बनें। इससे पहले कार्यक्रम के आयोजक रविन्द्र भड़ाना, मंगल सरपंच, देवीराम नंबरदार, कर्मबीर मांगर, आदि ने विजय प्रताप का फूल-मालाओं व पगड़ी बांधकर स्वागत किया। श्री विजय प्रताप सिह ने विजेता राजेश भड़ाना को 2.50 लाख रुपए का चैक देकर सम्मानित किया। इस मौके पर सुल्तान फिल्म में काम करने वाले कुक्की पहलवान, अशोक, बिजेन्द्र फौजी सुंदर, रिंकू भड़ाना, कुलदीप चंदीला, राजबीर भाटी, सोनू भाटी, मूलचंद, जगबीर भड़ाना, संजीव शर्मा, जितेन्द्र भाटी, कर्णसिंह भड़ाना, कल्लू, धर्मेन्द्र भड़ाना, प्रवीण भड़ाना, जय भाटी, जतिन शर्मा, विवेक भड़ाना, पिन्टू भाटी आदि को भी सम्मानित किया गया।

रजत पदक विजेता राजेश भड़ाना को सम्मानित करते पूर्व मंत्री महेन्द्र प्रताप सिंह के सुपुत्र विजय प्रताप सिंह।

सरकार की फूट डालो राज करो की नीति से जला हरियाणा : रणवीर शर्मा

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। राष्ट्रीय लोक स्वाराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रणवीर शर्मा (पूर्व आईजीपी) ने पूर्व डीजीपी प्रकाश कमेटी की रिर्पोट के आने के बाद हरियाणा सरकार की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुए मुख्यमंत्री, सांसद और कई मंत्रियों पर लापरवाही करने एवं फूट डालो राज करो की नीति अपनाने का आरोप लगाया। उन्होने कहा यदि सरकार समय पर प्रशासनिक अधिकारियों को आदेश देती तो आरक्षण की आग में हरियाणा नहीं जलता। श्री शर्मा ने यहां जिला फरीदाबाद में आयोजित प्रैसवार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए उक्त विचार व्यक्त किए। वह यहां पार्टी के विस्तार के लिए और नए पदाधिकारयों को पार्टी में विधिवत रूप से शामिल कराने आए थे। इस अवसर पर उन्होने नए कार्यकर्ताओं का पार्टी स्वागत किया। प्रैसवार्ता में श्री शर्मा ने कहा वह स्वयं पुलिस में उच्च पदों पर रहे हैं, और पुलिस की कार्यशैली से भंली भांति परिचित हैं। आरक्षण की आग भडकने तक मुख्यमंत्री यदि चुप न रहते और सभी जिलों के उपायुक्त, पुलिस आयुक्त, एसएसपी और अन्य अधिकारियों को सख्त आदेश देते तो किसी भी हालत में हरियाणा का माहौल नहीं बिगडता। उन्होने भाजपा, कांग्रेस, इनैलो व जाट नेताओं सहित अन्य राजनैतिक दलों के नेताओं को कठघरे में खडा किया। उन्होने कहा हरियाणा सरकार उन नेताओं और मंत्रियों पर भी कानूनी कार्यवाही करे जिन्होने अपने बयानों से जनता को भड़काया था।

श्री शर्मा ने कहा राष्ट्रीय लोक स्वाराज पार्टी जनता की सच्ची हितैषी पार्टी है। वह जनता के हितों की लडाई लड रहे हैं, और नई सोच के साथ काम कर रहे हैं। आरएलएसपी में उन सभी सच्चे देशभक्तों का स्वागत है जो वर्तमान की सभी पार्टियों की कथनी और करनी से आहत हैं।

संक्षिप्त समाचार

एम.डी.यू. में हुई प्रतियोगिता में 9 में से 7 पुरस्कार रहे डीएवी कॉलेज के नाम

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। तीन नम्बर स्थित डी.ए.वी.शताब्दी महाविद्यालय की यूथ रैड क्रॉस इकाई ने महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक द्वारा आयोजित अर्न्तराष्ट्रीय रैड क्रॉस दिवस में जिला फरीदाबाद का प्रतिनिधित्व किया। रैड क्रॉस के संस्थापक जीन हैनरी ड्यूना के जन्मदिवस को सारे विष्व में 08 मई को

अन्तर्राष्ट्रीय रैड क्रॉस दिवस के रुप में प्रतिवर्ष प्रत्येक देश में मनाया जाता है।

डी.ए.वी. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.सतीष आहूजा जी ने कालेज की यूथ रैड क्रॉस यूनिट के सलाहकार प्रो.दिनेश चन्द्र कुमेड़ी के संचालन में इस समारोह हेतु छात्रों की तैयारी एवं प्रतिभागिता का दायित्व सोंपा। इस प्रतियोगिता में कालेज के कुल 11 छात्र-छात्राओं ने अपने कालेज कांसलर के साथ विष्वविद्यालय प्रतियोगिता में भाग लिया। डी.ए.वी. कालेज ने पोस्टर मेकिंग (आन दी स्पॉट पेटिंग) में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय, और स्लोगन राइटिंग मे-प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय तथा भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर कुल 09 पुरष्कारों में से 07 पुरस्कारों को अपनी झोली मे डाला।

डी.ए.वी. कालेज के प्राचार्य ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की। कालेज के यूथ रैड क्रॉस कांसलर प्रो. दिनेश चन्द्र कुमेड़ी के अतिरिक्त इस प्रतियोगिता हेतु डॉ. सुनीति आहूजा एवं उनकी टीम का अतुल्य योगदान रहा। डॉ.सुनीति आहूजा और उनकी टीम ने एक पखवाड़े तक छात्रों को विभिन्न विधाओं की तैयारी कर कालेज को इस अद्वितीय सफलता का श्रेय दिलाया।

दानवीरों के लिए दया-धर्म ही सर्वोपरि

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। दानवीरों के लिए दया-धर्म ही सर्वोपरि है, जो समाज में समय-समय पर जरूरतमंदों की सेवा कर अपने दायित्वों का निर्वाह करते हैं, जिसकी जितनी भी प्रशंसा की जाये वह कम है। यह विचार मुख्य संसदीय सचिव श्रीमती सीमा त्रिखा ने आर्य नगर सराय ख्वाजा में श्री महाराजा अग्रसेन फांउडेशन (सर्वजातीय विवाह समिति)के पहले सामुहिक विवाह समारोह में उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए कहे। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रुप में तिगांव विधानसभा के पूर्व भाजपा प्रत्याशी राजेश

नागर उपस्थित थे। इस अवसर पर श्रीमती सीमा त्रिखा ने कहा कि भौतिकतावाद की चकाचौंध में जहां एक ओर लोग धन कमाने की होड़ में दिन रात भाग रहे हैं, वहां समाज हित के कार्यों में तन-मन-धन से जनकल्याण की भावना को ध्यान में रखकर सेवा करने वालों की भी समाज में कोई कमी नहीं है, जिससे अन्य लोगों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने श्री महाराजा अग्रसेन फांउडेशन (सर्वजातीय विवाह समिति) द्वारा गरीब व जरूरतमंद परिवारों के युवक-युवतियों के विवाह हेतु किए सफल आयोजन के लिए संस्था को अपनी ओर से एक लाख रूपए अनुदान राशि देने की भी घोषणा की और उम्मीद जताई कि भविष्य में भी संस्था के द्वारा इस प्रकार के जनहित में आयोजन होते रहेंगे। जिनका लाभ सम्बन्धित वर्गों को सदैव मिलता रहेगा। इस अवसर पर भाजपा नेता राजेश नागर ने कहा कि गरीब व जरूरतमंद परिवारों की यथासम्भव सहायता करने से जहां एक ओर आत्मसंतुष्टि मिलती है वहीं ऐसा करने वाले लोग पुण्य के भागी होते हैं। इसलिए इस प्रकार के समारोह में लोगों को बढ़चढ़ कर प्रतिभागिता करनी चाहिए। राजेश नागर ने श्री महाराजा अग्रसेन फांउडेशन (सर्वजातीय विवाह समिति)से जुड़े युवा उद्यमी एवं समाजसेवियों का भविष्य में भी इसी प्रकार के लोक कल्याण एवं परमार्थ के कार्यों में प्रतिभागिता करते रहने का आवाह्न किया। संस्था के प्रधान देवेन्द्र अग्रवाल एवं नवीन कुमार जिंदल ने कहा कि उक्त समारोह उनकी संस्था का पहला प्रयास है। जिसके लिए वे अपने युवा उद्यमी साथियों के आभारी हैं, जिनके सामुहिक प्रयासों से मिलकर जनहित के इस कार्य को मूर्त रूप दिया जा सका। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, महिला उत्थान जैसे विषयों पर प्रतिज्ञा लेते हुए उपस्थितजनों को शपथ भी दिलाई।

अधिकारियों के गलत रवैये से लोगों को हो रही असुविधा : सुमित

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। सेक्टर-12 ई दिशा केंद्र में पिछले एक सप्ताह से चल रही बिजली की किल्लत के चलते लोगों भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अपने जरुरी कामों के लिए सेक्टर-12 ई दिशा केंद्र आए लोगों ने इसकी जानकारी हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव सुमित गौड़ को दी। लोगों की शिकायत मिलने पर सुमित गौड़ अपने साथियों सहित वहां पहुंचे और लोगों की समस्याओं को सुना। स्थानीय लोगों ने श्री गौड़ को बताया कि पिछले एक सप्ताह से यहां बिजली की किल्लत चल रही है, जिसके चलते उन्हें अपने कामों के लिए यहां घण्टों बैठना पड़ता है और अधिकारी उन्हें कोई संतुष्ट जवाब तक नहीं देते है। उन्होंने बताया कि कई बार तो पूरा-पूरा दिन अधिकारी उन्हें आश्वासन देकर घुमाते रहते है, जिसके चलते वह अपने जरुरी कामकाज छोड़कर यहां समय बर्बाद कर देते है। इस मौके पर सुमित गौड़ ने ई दिशा केंद्र में तैनात अधिकारियों से बात की तो कुछ ने कहा कि यहां जनरेटर है नहीं, जबकि कुछ का तर्क था कि जनरेटर खराब है और जल्द ठीक हो जाएगा। श्री गौड़ ने कहा कि लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए बनाया गया ई दिशा केंद्र बुरी दशा में चल रहा है, यहां व्याप्त समस्याओं व अधिकारियों की हठधर्मिता के चलते लोगों को अपने जरुरी काम करवाने में खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सुमित गौड़ ने कहा कि सरकार ने ई दिशा केंद्र लोगों की सहूलियतें के लिए बनाया गया है परंतु यह लोगों की समस्याओं का गढ बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही अगर अधिकारियों ने अपना रवैया नहीं बदला और लोगों की समस्याओं का निपटारा नहीं किया तो कांग्रेसी कार्यकर्ता जल्द ही जिला उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर उन्हें वास्तु स्थिति से अवगत करवाएंगे। इस अवसर पर सुमित गौड के साथ मुख्य रुप से वरिष्ठ कांग्रेसी नेता महेंद्र शर्मा, प्रदेश महासचिव पं. राजेंद्र शर्मा, ललित भड़ाना, प्रदेश सचिव दिनेश चंदीला, कांग्रेस युवा लोकसभा अध्यक्ष रिंकू चंदीला, बल्लभगढ युवा कांग्रेस अध्यक्ष नरेश गोदारा, गजेंद्र सिंह, एसएल शर्मा, संजय सैफी, जितेंद्र चंदेलिया, अनीशपाल आदि मौजूद थे।

160 करोड़ के कराए गए विकास कार्यो का श्वेत पत्र जारी करें विधायक : विकास चौधरी

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। कांग्रेसी नेता विकास चौधरी ने कहा है कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा डिजिटल रैली में फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र में पिछले डेढ़ साल के दौरान 160 करोड़ रुपए के विकास कार्य करवाए जाने की घोषणा को सफेद झूठ बताते हुए कहा कि स्थानीय विधायक विपुल गोयल श्वेत पत्र जारी करके बताए कि इन रुपयों से कहां-कहां विकास कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद विधानसभा में स्लम बस्तियों, झुगिगयों व कालोनियों में लोग मूलभूत सुविधाओं की मार झेल रहे है और शहर की सभी मुख्य सड़कें टूटी पड़ी है, ऐसे में इतनी बड़ी राशि आखिरकार किस मद में खर्च हुई? विधायक इसे सार्वजनिक करें। श्री चौधरी सेक्टर-9 स्थित अपने कार्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उनके साथ मुख्य रुप से राकेश भड़ाना, ज्ञानचंद आहुजा मौजूद थे। श्री चौधरी ने मुख्यमंत्री की डिजीटल रैली को पूरी तरह से फ्लॉप शो करार देते हुए कहा कि विधायक लोगों को ना केवल गुमराह कर रहे हैं, बल्कि शोशेबाजी का सहारा लेकर अपनी राजनीति कर रहे हैं। श्री चौधरी ने कहा कि सैक्टर-17 के एक स्कूल के बंद हॉल में आयोजित इस रैली के बाद यह भी साबित हो गया है कि भाजपा एयरकंडीशन की राजनीति करती है। ए.सी.हॉल में आयोजित इस रैली से गरीब तबके को वहां फटकने तक नहीं दिया गया। इस विधानसभा क्षेत्र में 17 कालोनियां आती हैं। इन कालोनी के लोगों ने विकास के नाम पर भाजपा को वोट देकर सत्ता में लाने का काम किया है, लेकिन आज वे सभी लोग उस समय धोखेबाजी का शिकार हुए, जब वह रैली स्थल पर गए और उन्हें सुरक्षाकर्मियों द्वारा डंडे फटकारकर भागा दिया गया। विधायक विपुल गोयल ने दावा किया था कि मुख्यमंत्री डिजीटल रैली के माध्यम से आम लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनेंगे और मौके पर ही उनका समाधान करेंगे। लेकिन दुखद पहलू यह है कि मुख्यमंत्री ने मात्र दो लोगों से संवाद किया और दोनों ही लोग विधायक द्वारा प्रायोजित थे और वे भाजपा के कार्यकर्ता थे। जबकि एलईडी स्क्रीन 15 स्थानों पर लगाए जाने के दावे किए थे, मगर कई स्क्रीन रैली के शुरू होते ही बंद हो गई थी। और अधिकतर जगहों पर आम पब्लिक की बजाए भाजपा व आरएसएस के कार्यकर्ता ही नजर आए और कई जगहों पर तो भीड इकटठा करने के लिए नाच-गाजे व रागनियों का भी प्रबंध किया गया था। श्री चौधरी ने कहा कि विधायक का काम विकास कार्य करवाने की बजाए क्षेत्र की जनता को उल्लू बनाना है। इससे पहले भी विश्व रिकार्ड बनाने की आड़ में दो लाख पौधे लगाने का दावा किया था। मगर आश्चर्य की बात है कि आज ये सभी पौधे ना केवल मुरझा चुके हैं और जो बचे हैं वह सूखे की मार झेल रहे हैं। कांग्रेस नेता विकास चौधरी ने कहा कि विधायक विपुल गोयल आम आदमी के हित की नहीं बल्कि स्वार्थ की राजनीति कर रहे हैं। उन्हें अपने क्षेत्र के विकास की कोई चिंता नहीं है, वह तो मात्र मंत्री बनने के चक्कर में पूरी सरकार को बेवकूफ बना रहे हैं। श्री चौधरी ने कहा कि विधायक जितने षडयंत्र मंत्री बनने के लिए कर रहे हैं, यदि उसके थोड़े से प्रयास भी अपने क्षेत्र के लिए करें तो फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र में विकास की ब्यार बहने लगेगी।

14 मई को होगा क्रांति मार्च आयोजित करने का फैसला

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। आम आदमी पार्टी 14 मई को रोहतक में मेरी जाति हिंदुस्तानी कार्यकम के तहत क्रांति मार्च आयोजित करने का फैसला किया जा रहा है। यह जानकारी हरियाणा सर्च कमेटी के सदस्य धर्मवीर ने देते हुए बतायाकि इस मार्च के माध्यम से आम आदमी पार्टी जहां रोहतक के लोगों को इस बात का अहसास करवाएगी कि दुख की इस घड़ी में पार्टी के तमाम कार्यकर्ता उनके साथ है वही प्रदेश में वर्ष्ओं से सत्ता संभालने वाले राजनैतिक दलों के मुंह पर करार तमाचा भी होगा जिन्होंने आंदोलन के बाद लोगों से मिलने का प्रयास नहीं किया। उन्होंने कहा कि जो लोग जातिवाद के खिलाफ खड़ा होना चाहते हैं और सही मायने में हिंदुस्तानी है वह इस मुहिम में शामिल हो कर पार्टी का सहयोग करें। उन्होने कहा कि 14 मई को फरीदाबाद से उनके नेतृत्व में सैकड़ों वाहनों का काफिला रोहतक के लिए रवाना होगा।

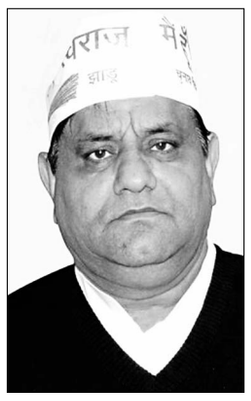

डीजीपी ने किया नीमका जेल में ई-लाइब्रेरी का उद्घाटन

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। जिला जेल नीमका में प्रदेश के डीजीपी जेल यशपाल सिंघल ने दौरा कर कैदियों के लिए इंडिया विजन फाउंडेशन और जी फॉर ग्रुप की तरफ से बनाई गई ई- लाइब्रेरी का उद्घाटन किया। इस मौके पर उनके साथ इंडिया विजन फाउंडेशन की संस्थापक किरण बेदी भी मौजूद रहीं।

डीजीपी यशपाल सिंघल ने कहा कि हमारा मकसद कैदियों को अच्छी तामील देना है, ताकि जब जेल से बाहर जाएँ, तो कुछ सीख लेकर जाएँ। सिंघल ने कैदियों के लिए जेल में चलाये जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि ई लाइब्रेरी से कोई भी किताब डाउनलोड करके पढ़ा जा सकता है। हमारा मकसद है कि कैदी यंहा से हुनर सीख कर जाएँ। मोटर वाईंडिंग , एसी रिपेयरिंग या अन्य स्किल डेवलपमेंट के कोर्स कराये जा रहे हैं।

वंही इंडिया विजन फाउंडेशन की संस्थापक किरण बेदी ने कहा कि हरियाणा की जेलों में अपराध सुधार के कार्यक्रम उनकी तरफ से संस्था के माध्यम से चलाये जा रहे हैं। सरकार के सहयोग के साथ संस्था जेलों में काम कर रही है। जो कैदी यंहा से हुनर लेकर जायेगा, वो दोबारा से अपराध नहीं करेगा। उनका मानना है कि सरकार की पारदर्शिता का ही फल है, कि पीपीपी मोडल के तहत इस तरह के कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। किरण बेदी ने बताया कि आईवीएफ की तरफ से हरियाणा की 19 जेलों के अलावा तिहाड़ और डासना जेल में कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

इस मौके पर जेल अधीक्षक दीपक शर्मा, डीएसपी दिनेश यादव, डीएसपी रोहन हुड्डा समेत अन्य जेल कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

खजानी वूमैनस वोकेशनल इस्ट्टीटयूट में दो दिवसीय कलात्मक प्रदर्शनी का आयोजन

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। ओल्ड फरीदाबाद स्थित खजानी वूमैनस वोकेशनल इस्ट्टीटयूट में दो दिवसीय कलात्मक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का विधिवत उदघाटन संस्थान के डायरेक्टर संजय चौधरी ने फीता काटकर किया। इस मौके पर संजय चौधरी ने विभिन्न विभागों जैसे अर्लीचाईल्ड हुड एण्ड केयर

एजुकेशन, आर्ट एण्ड क्राफ्ट, कटिगं टेलरिगं एण्ड एमबरोइडरी का दौरा किया तथा छात्राओं द्वारा बनाई गई कलात्मक कृतियों की खूब प्रंशसा की। प्रदर्शनी में छात्राओं ने शिक्षिकाओं के उचित मार्ग दर्शन द्वारा अपने वर्ष भर की मेहनत को इन कलाकृतियों के माध्यम से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर फैंशन शो का भी आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने देसी व पाश्चात्य परिधान पहनकर सभी को मंत्रमुगध कर दिया। इस मौके पर संजय चौधरी ने कहा कि इन कलाकृतियों को देखकर वो हतप्रभ है, छात्राओं ने इन कलाकृतियों को बनाने में मेहनत के साथ साथ अपने दिमाग का भी बहुत बढ़िया इस्तेमाल किया है।

उन्होनें कहा कि छात्राओं ने घर में इधर उधर फैंकी गई वेस्ट आईटम को नया रूप देकर मानों उन्हें जीवंत कर दिया हो। उन्होनें कहा कि वह दिन दूर नहीं जब यह छात्राएं देश ही नहीं अपितु विदेशों में भी अपनी काबलियत का झड़ा बुलन्द करेगीं।

इस मौके पर संस्थान की सैंटर हेड मन्नू नरवाल ने कहा कि प्रदर्शनी के आयोजन का मुख्य उददेश्य मध्यम व निम्न वर्ग की महिलाओं को जागरूक करना तथा आत्मविश्वास से भरपूर करना है। उन्होनें कहा कि खजानी संस्थान हमेशा महिलाओं को प्रोत्साहित करता रहा है और आगे भी प्रोत्साहित करता रहेगा।

अरावली स्कूल में मनाया मदर्स-डे कार्यक्रम

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। सेक्टर-43 स्थित अरावली इंटरनेशनल स्कूल मातृ दिवस अनूठे ढंग से मनाया गया। इस मौके पर कक्षा नर्सरी के नन्हें-मुन्हें बच्चों तथा उनकी माताओं के लिए रेट्रो थीम (परंपरागत वेशभूषा) रखी गई, जिसमें नन्हें बच्चों तथा उनकी माताओं को परंपरागत वेशभूषा में तैयार होकर आना था।

आकर्षक वेशभूषा में सजकर आई माताएं और बच्चे बेहद आकर्षक लग रहे थे। उनके लिए विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया गया था जैसे आलू गेम, गुब्बारा (बेलून) गेम, चम्मच गेम। बच्चों तथा माताओं ने बड़े ही जोश के साथ भाग लिया तथा आनंद उठाया। इसके साथ ही कक्षा छठी से दसवीं तक के बच्चों तथा उनकी माताओं के लिए सलाद सज्जा गतिविधि का आयोजन किया गया। बच्चों तथा उनकी माताओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। स्कूल की प्रधानाचार्या जयश्री गुप्ता ने सभी माताओं को मातृ दिवस की बधाई दी।

स्कूल के चेयरमैन धन सिंह भड़ाना ने कहा कि मां न सिर्फ अपने बच्चों को दुनिया की बुराइयों से बचाती है, बल्कि वह अपने बच्चे की सबसे बड़ी प्रेरणास्त्रोत भी होती है। मातृ दिवस बच्चों के लिए सबसे महत्वपूर्ण दिवस है।

दिव्यांग उपकरण एवं रक्तदान शिविर समारोह आयोजित

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। सर जीन हैनरी डयूना द्वारा बनाया गया रैडक्रास आज पूरे विश्व मे असहाय, घायल, बीमार, दिव्यांग एवं निर्धन लोगों को अनूठी सेवाऐं प्रदान करने की मिसाल बनने के साथ साथ विषाल संगठन का रुप ले चुका है।

यह उदगार केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने आज विश्व रैडक्रास दिवस के उपलक्ष्य में स्थानीय सैक्टर 14 स्थित नशा मुक्ति केन्द्र परिसर में जिला रैडक्रास सोसायटी के सौजन्य से आयोजित दिव्यांग उपकरण एवं रक्तदान शिविर समारोह को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित करते हुये प्रकट किये। श्री गुर्जर ने सर हैनरी डयूना के चित्र पर पुष्पाजंली अर्पित करके उन्हे नमन किया। मुख्य संसदीय सचिव सीमा त्रिखा समारोह

मे विषिष्ट अतिथि के रुप मे उपस्थित थी। समारोह की अध्यक्षता सोसायटी के अध्यक्ष एवं उपायुक्त चन्द्रशेखर ने की। श्री गुर्जर ने रक्तदान शिविर का शुभारम्भ किया जिसमे 35 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। उन्होने मोडुलर प्रोस्थेसिस का उद्घाटन भी किया और सैकडो दिव्यांग व्यक्तियों को ट्राई साईकिल, व्हील चेयर, सुनने की मषीन, कृत्रिम अंग एवं अन्य सहायक उपकरण वितरित किये। श्री गुर्जर ने हरियाणा के मुख्यमंत्री राहत कोश से कैंसर पीडित बच्ची निशी कुमारी के उपचार के लिये 35 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राषि का चैक भेंट किया और रैडक्रास कम्पयूटर प्रशिक्षण केन्द्र ई-विघावाहिनी के माध्यम से गावं बड़ौली व भांकरी के 80 प्रशिक्षित छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किये। इस मौके पर रोटरी क्लब फरीदाबाद संस्कार के प्रधान गोपाल कुकरेजा विशेष सहयोगी के रुप मे उपस्थित थे। श्री गुर्जर ने कहा कि सर जीन हैनरी डयूना ने रैडक्रास की स्थापना कर के विष्व में एक विशाल एव करुणामयी हदय का उदाहरण पेश किया।

फरीदाबाद के विकास के लिए 2600 करोड़ रुपए की योजना : मनोहर लाल खट्टर

पहली डिजिटल रैली को मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने किया संबोधित

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने आज फरीदाबाद से देश की पहली डिजिटल रैली को संबोधित किया। पहली डिजिटल रैली के माध्यम से शनिवार की देर सांय मुख्यमंत्री का संबोधन फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र में अलग-अलग 15 स्थानों पर एलईडी स्क्रीन के माध्यम से लोगों ने सुना। जबकि सोशल मीडिया पर फेसबुक व यू टयूब के माध्यम से रैली का सीधा प्रसारण हुआ। फरीदाबाद के विधायक विपुल गोयल द्वारा आयोजित डिजिटल रैली में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्य प्रभारी अनिल जैन, भारत सरकार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला, हरियाणा के शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ओमप्रकाश धनखड़, लोक निर्माण विभाग मंत्री राव नरबीर सिंह ने भी अपने विचार रखे।

हरियाणा से शुरू हुए डिजिटल रैली के प्रयोग से उत्साहित मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि शहरी विकास मंत्रालय की ओर से देश भर में स्मार्ट सिटी कार्यक्रम के तहत चुने गए शहरों में शामिल फरीदाबाद के विकास के लिए 2600 करोड़ रुपए की योजना तैयार की गई है। केंद्रीय शहरी विकास मंत्री श्री वेंकैया नायडू से इस कार्यक्रम के तहत अगले 20 शहरों की घोषित होने वाली सूची में फरीदाबाद को शामिल करने का आग्रह किया गया है। जिसके चलते इसी वर्ष फरीदाबाद शहर में ढांचागत विकास तेज होने की पुख्ता उम्मींद है। उन्होंने बताया कि गुड़गांव में शुरू होने जा रही एयर टैक्सी सेवा के बाद आवश्यक हुआ तो अगले चरण में फरीदाबाद, सोनीपत व करनाल को भी जोड़ा जाएगा।

फरीदाबाद के सेक्टर 17 स्थित माडर्न पब्लिक स्कूल से सभागार से श्री मनोहर लाल ने फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र के लोगों से रूबरू होते हुए कहा कि हरियाणा में भाजपा की सरकार बनने के उपरांत ई-सेवाओं को बढ़ावा देते हुए भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया गया है। राज्य सरकार डिजिटल सेवाओं के जरिए व्यापारियों, किसानों व आमजन की सुविधा के लिए नए-नए प्रयोग किए जा रहे है। जिनमें व्यापारियों के लिए नया लाइसेंस या क्लीयरेंस लेने के लिए ई-बिज पोर्टल विकसित किया जा रहा है। जिसके तहत एक छत के नीचे सभी विभागों की औपचारिकताएं निर्धारित समय के भीतर पूरी की जा सकेंगी। किसानों की सुविधा के लिए अथ टू माऊथ, राज्य की ढ़ाई करोड़ आबादी का डेटा बेस तैयार कर आवश्यक प्रमाण पत्र जारी करने के लिए एसआरडीबी आदि प्रयोग भी शामिल है।

मुख्यमंत्री ने स्थानीय विधायक की ओर से रखी गई सभी मांगों को पूरा करने का भरोसा देते हुए फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न सड़कों पर साइकिल ट्रेक व अन्य सुविधाएं पूरी करने, धोबी समाज के लिए तीन करोड़ की लागत से दो नए बारात घर बनवाने, बरसाती पानी की निकासी के लिए योजना, भरत नगर कॉलोनी में सीवरेज के लिए 1.5 करोड़, छठ पूजा घाट बनवाने, जमीन की उपलब्धता पर 50 बेड का नया अस्पताल, सेक्टर 12 की आईटीआई को 12.5 करोड़ रुपए की मदद से अपग्रेड करने, सीवरेज व अन्य सुविधाओं के लिए 10 करोड़ रुपए, स्लम कॉलोनी को विशेष अभियान के तहत नई जगह शिफ्ट करने, फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र मं सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए सात करोड़ रुपए, नाहर सिंह स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराने की सभी योजनाएं पूरी कराने के अलावा विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए 20 करोड़ रुपए अतिरिक्त देने की घोषणा की। इस दौरान वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सीही के निवासी कुलदीप ने गांव के विकास तथा बाबा नगर के लोगों ने इस्लामिक भवन व कब्रिस्तान के लिए जमीन की मांग की। मुख्यमंत्री ने सीही गांव के लोगों को विश्वास दिलाया कि उनकी मांग का पूरा ध्यान रखा जाएगा। जबकि बाबा नगर वासियों से विधायक के माध्यम से इन मांगों का प्रस्ताव भिजावाने की बात कही।

फरीदाबाद के मान को दोबारा करेंगे बहाल : रामबिलास शर्मा

डिजिटल रैली के मंच से हरियाणा के शिक्षा एवं पर्यटन मंत्री रामबिलास शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल को सूचना प्रोद्योगिकी की विधा में महारत रखने वाले नेता बताया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों की उदासीनता के चलते फरीदाबाद से बड़े-बड़े उद्योगों का पलायन हो गया और यह शहर विकास के मामले में पिछड़ गया लेकिन मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में इस शहर के मान को फिर से बहाल किया जाएगा।

एप के माध्यम से उपलब्ध होगा गाय का ए-2 दूध : ओमप्रकाश धनखड़

कृषि, सिंचाई, ग्रामीण विकास एवं पंचायत, डेयरी एवं पशुपालन मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने डिजिटल रैली में अपने संबोधन के दौरान अपने मंत्रालय के संबंधित विभागों की योजनाओं की जानकारी सांझा करते हुए बताया कि गाय का ए-2 दूध एप के माध्यम से एनसीआर में पहुंचाया जाएगा। वहीं नहरी पानी की स्थिति जानने के लिए 123 करोड़ रुपए का रियल टाइम तंत्र विकसित किया जाएगा। उन्होंने फरीदाबाद सहित एनसीआर की जरूरतों को पूरा करने के लिए बीजिंग की तर्ज पर पैरी अर्बन कृषि योजना के बारे में भी बताया। उन्होंने दावा किया कि मार्केटिंग बोर्ड की सड़कों को भी सुंदर बनाया जाएगा।

गड्ढा मुक्त होंगी हरियाणा की सड़कें : राव नरबीर

हरियाणा के लोक निर्माण मंत्री राव नरबीर सिंह ने बताया कि राज्य के इतिहास में पहली बार उनके विभाग में वर्क प्रोग्राम बनाकर काम किया है। जिसके तहत समस्त राज्य की सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाया जाएगा। शीघ्र ही वाट्सएप नंबर भी जारी कर दिया जाएगा। जिस पर सड़क का फोटो भेजने पर उसे 72 घण्टे के अंदर ठीक कर दिया जाएगा। सड़कों के निर्माण में क्षेत्रवाद की भावना को समाप्त कर दिया गया है।

आज देश में भ्रष्टाचार मुक्त सरकार : बराला

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला ने डिजिटल रैली के आयोजन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिजिटल इंडिया की सोच को आगे बढ़ाने वाला आयोजन बताया।

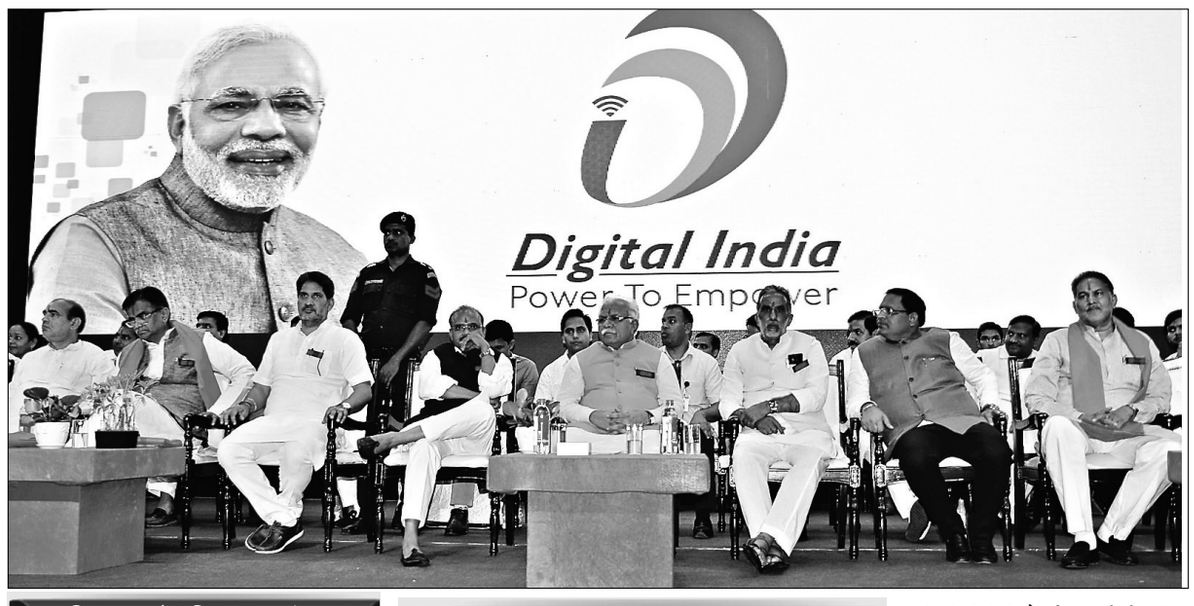

हरियाणा और हिंदुस्तान ले रहा नया आकार : कृष्णपाल गुर्जर

भारत सरकार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 23 महीने व हरियाणा में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में 18 महीने से भाजपा की सरकार ने गति के साथ प्रगति का कार्य किया है। आज हरियाणा और हिंदुस्तान विकास के मामले में एक नया आकार ले रहा है। सुशासन से आज परिवर्तन दिखने लगा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की मजबूत आर्थिक बुनियाद रखी जा रही है। हमेशा घाटे में रहने वाले बीएसएनएल को आज दस हजार करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ है। इसी प्रकार यूपीए के शासन काल में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण की गति दो किलोमीटर प्रतिदिन पहुंच चुकी थी वहीं आज यह 20 किलोमीटर प्रतिदिन है।

आज जनता के प्रति जवाबदेह सरकार : अनिल जैन

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्य प्रभारी डा. अनिल जैन ने कहा कि हरियाणा के इतिहास में पहली बार जनता के प्रति जवाबदेह मंत्री और सरकार बनी है। हरियाणा की भाजपा सरकार अपने घोषणापत्र के तहत तो काम कर रही है साथ-साथ हर मंत्री अपने विभागों की फ्लैगशिप योजनाएं तैयार करके जनता तक पहुंचा रहा है। मुख्यमत्री मनोहर लाल की प्रशंसा करते हुए उन्होंने बताया कि फरीदाबाद से उनका पुराना लगाव है। आज उनके नेतृत्व में पूरी सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प सबका साथ-सबका विकास की सोच को आगे बढ़ा रही है।

ब्राह्मण समाज ने राष्ट्र को सदैव नई दिशा दी : सीमा त्रिखा

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। ब्राह्मण समाज ने राष्ट्र को सदैव नई दिशा दी है और भगवान परशुराम का दर्शन आज भी प्रासंगिक है। यह कहना था हरियाणा सरकार की मुख्य संसदीय सचिव सीमा त्रिखा का।

श्रीमती त्रिखा परशुराम जयंती पर गाँव कुलेन में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहीं थीं। उन्होंने कहा की ब्राह्मण परिवार की बहू बनना उनके लिए गौरव की बात है। भगवान परशुराम मंदिर में भव्य भवन के निर्माण के लिए श्रीमती त्रिखा ने 11 लाख रुपए का योगदान देने की भी घोषणा की। भगवान

श्री परशुराम ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री तेज प्रकाश भारद्वाज ने वहां मौजूद तमाम अतिथियों का स्वागत किया और आस्था के बड़े केंद्र इस मंदिर में जनहित में चल रही योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर विधायक पृथला टेक चंद शर्मा और विधायक बदरपुर नारायण दत्त शर्मा भी मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ज़िला ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष पंडित श्याम सुन्दर शर्मा ने की। इस अवसर पर सुबह भगवान परशुराम का अभिषेक हुआ। हवन भंडारे के बाद रागिनी व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। कुश्ती का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर महासचिव महावीर शर्मा कोषाध्यक्ष हरीश कुलैना, उपाध्यक्ष विजय शर्मा एडवोकेट, बक्शी शर्मा अनखीर, नन्द किशोर डाढोता, राम चंद अलावलपुर, श्याम दत्त नंबरदार, त्रिलोक चंद मोहना, ओ पी शर्मा एडवोकेट, सुरेंदर शर्मा बबली, पंकज पाराशर, दिनेश भरद्वाज, सुन्दर शर्मा कुलैना, मुरली कुलैना, त्रिलोक चंद सरपंच कुलैना, मोहरदत्त। भगवान परशुराम ट्रस्ट के संरक्षक पंडित राम प्रसाद, पं श्याम लाल सरपंच, पं जगराम सरपंच अलावलपुर, पं श्याम लाल अलावलपुर, आर सी शर्मा, जसवंत कौशिक कटेसरा, राजेश सरपंच कटेसरा, मास्टर यादराम चिरवाड़ी, प्रभू दयाल चिरवाड़ी, जवाहर लाल लालपुरा, गोपाल कौशिक, राजेश शर्मा, अध्यक्ष ज़िला ब्राह्मण सभा पलवल, अमन भारद्वाज, शम्भू पहलवान, पं किशन चंद दीक्षित आदि मौजूद थे।

बिना भेदभाव के विकास कर रही खट्टर सरकार : बराला

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला ने कहा कि पूर्व की कांग्रेस सरकार ने दस वर्षो के दौरान हरियाणा प्रदेश को विकास के मामले में कोसों पीछे छोड़ दिया था, जिसे डेढ़ वर्ष में खट्टर सरकार पटरी पर लाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि भाजपा 'सबका साथ-सबका विकास' के नारे के तहत समानरुप से विकास की पक्षधर है और प्रदेश के सभी 90 विधानसभाओं में बिना भेदभाव के विकास कार्य सम्पन्न करवाए जा रहे है। श्री बराला आज गांव चंदावली में वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन डागर द्वारा पृथला विधानसभा क्षेत्र की ओर से आयोजित सम्मान समारोह को बतौर मुख्यातिथि उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मुख्य रुप से सीपीएस श्रीमती सीमा त्रिखा, पूर्व सांसद रामचंद्र बैंदा, विधायक विपुल गोयल, पं. टेकचंद शर्मा, देवेन्द्र चौधरी, संदीप जोशी, जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा, नयनपाल रावत, बलदेव सिंह अलावलपुर, अजय गौड, राजीव जेटली आदि उपस्थित थे। समारोह में पहुंचने पर श्री बराला का भाजपा नेता मोहन डागर, जिला पार्षद श्रीमती पुष्पा डागर व क्षेत्र की मौजिज सरदारी ने पगड़ी बांधकर एवं ढोल नगाड़ों, फूल मालाओं व मेहनतकश किसानों का प्रतीक हल भेंट करके उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर समारोह का आयोजक भाजपा नेता मोहन डागर ने प्रदेशाध्यक्ष श्री बराला को विश्वास दिलाया कि पृथला क्षेत्र में पार्टी को मजबूत करने के लिए वह सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का प्रचार-प्रसार जन-जन में करेंगे और जल्द ही क्षेत्र में 'चलो गांव की ओर' अभियान चलाकर लोगों को पंचायती राज संस्थाओं के बारे में पूर्ण जानकारी देकर जागरुक करेंगे।

इस अवसर पर सोहनपाल छोकर, जिला परिषद के चेयरमैन विनोद चौधरी, कप्तान सिंह भाटी, शैलेन्द्र नंबरदार, अवतार सिंह सारंग, सरजीत अधाना, डा. जगदीश प्रसाद, जगत सिंह एडवोकेट, अनिल सरपंच, निशांत हुड्डा दयालपुर, चंद्रभान यादव, जीतराम फोरमैन, चंद्रपाल डागर, हरस्वरुप, ओमपाल बुखारपुर, राहुल कुमार सहित अनेकों गणमान्य लोग मौजूद थे।

बीसीसीआइ की बढ़ती मुश्किले

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआइ की ग्रहदशा आजकल सही नहीं चल रही है। उसकी मुश्किल यह है कि लोढा समिति की सिफारिशों को किस तरह लागू किया जाए। इस स्थिति में उसके अध्यक्ष शशांक मनोहर के इस्तीफे ने बीसीसीआइ की मुश्किलों को और बढ़ा दिया है।

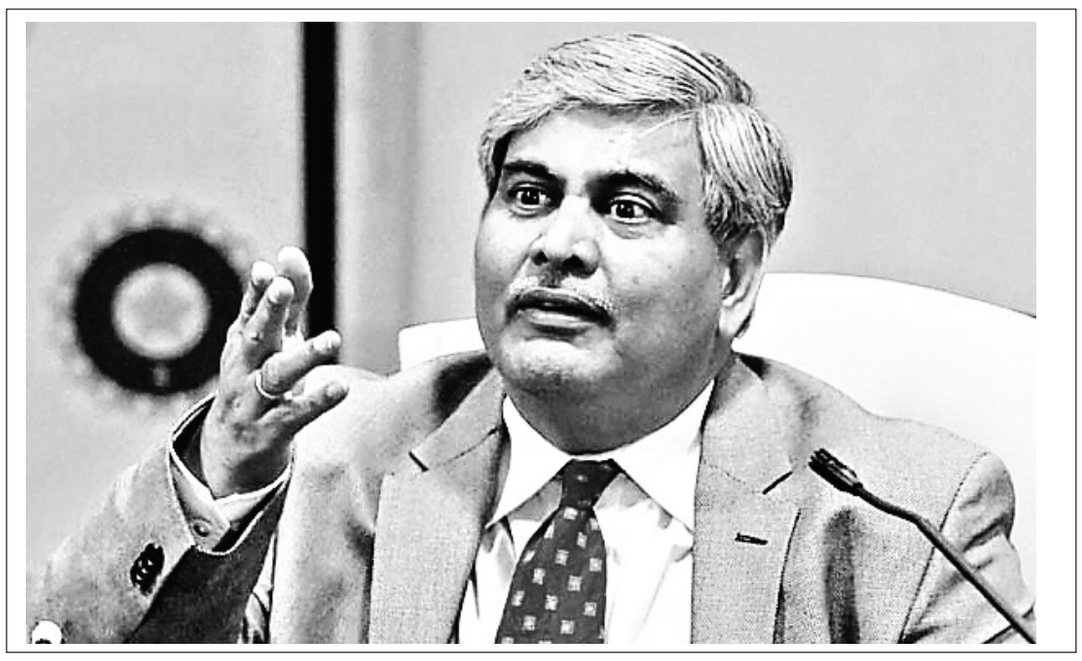

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआइ की ग्रहदशा आजकल सही नहीं चल रही है। उसकी मुश्किल यह है कि लोढा समिति की सिफारिशों को किस तरह लागू किया जाए। इस स्थिति में उसके अध्यक्ष शशांक मनोहर के इस्तीफे ने बीसीसीआइ की मुश्किलों को और बढ़ा दिया है। बीसीसीआइ दुनिया का सबसे अमीर क्रिकेट संगठन जरूर है, पर कुछ साल पहले आइपीएल में हुई स्पॉट फिक्सिंग की सुप्रीम कोर्ट द्वारा जांच कराने के बाद लोढा समिति की सिफारिशें लागू करने के लिए बन रहे दबाव के कारण बीसीसीआइ का अध्यक्ष पद भी कांटों भरा ताज हो गया है। शशांक मनोहर आइसीसी के पहले स्वतंत्र चेयरमैन बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं, इसलिए शायद उन्होंने बीसीसीआइ से निजात पाने में ही अपनी भलाई समझी है। पर उनका यह कदम बीसीसीआइ की मुश्किलों में और इजाफा कर गया है। शशांक की छवि ईमानदार और मजबूत प्रशासक की है और उनके बीसीसीआइ अध्यक्ष पद के पहले कार्यकाल को अच्छा माना जाता रहा है, इसलिए 20 सितंबर, 2015 को जब तत्कालीन बोर्ड अध्यक्ष जगमोहन डालमिया का निधन हुआ, तो सभी ने उन्हें अध्यक्ष बनने के लिए मनाया। उन्होंने अपने सात माह के कार्यकाल में कई सुधार करके बीसीसीआइ की साख को फिर से बनाने का प्रयास जरूर किया है। लेकिन अब भी लोढा समिति की कई ऐसी सिफारिश हैं, जिनके लागू करते ही बीसीसीआइ का नक्शा एकदम से बदल सकता है। पर फिर भी बीसीसीआइ अध्यक्ष पद ऐसा है, जिसे हर कोई ललचाई नजरों से देखता है। जिस तरह लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान पर हर क्रिकेटर शतक जमाना चाहता है, विंबलडन में हर टेनिस खिलाड़ी खिताब जीतना चाहता है। इसी तरह देश का हर क्रिकेट प्रशासक बीसीसीआइ का अध्यक्ष बनना चाहता है। शशांक मनोहर के इस्तीफा देने से बीसीसीआइ की राजनीति में एक बार फिर से गरमी आ गई है। देश में काम करने वाला हर क्रिकेट धड़ा अपने आदमी को बीसीसीआइ अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठाने के लिए उतावला नजर आ रहा है। पूर्व अध्यक्ष एन श्रीनिवासन गुट अपने व्यक्ति को अध्यक्ष बनाना चाहता है, तो शरद पवार की खुद अध्यक्ष बनने की इच्छा रही है। लेकिन बोर्ड पर लोढा समिति की सिफारिशों की भी तलवार लटक रही है। इन सिफारिशों में सत्तर साल से ज्यादा उम्र के व्यक्ति को पदाधिकारी नहीं बनाने की सिफारिश भी शामिल है। इस स्थिति में शरद पवार शायद ही अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल हों। पर वह अपने किसी व्यक्ति को इस कुर्सी तक पहुंचाने का प्रयास जरूर करेंगे। पवार के अलावा एन श्रीनिवासन, निरंजन शाह, जी. गंगा राजू और फारूख अब्दुल्ला जैसे सत्तर साल से ज्यादा उम्र वालों की भी पतंग कटी नजर आ रही है। मौजूदा हालात में यह माना जा रहा है कि बीसीसीआइ के मौजूदा सचिव अनुराग ठाकुर, आइपीएल चेयरमैन राजीव शुक्ल, बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष सौरव गांगुली और महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय शिर्के को अध्यक्ष पद का दावेदार माना जा रहा है। अनुराग ठाकुर के पक्ष में जाने वाली प्रमुख बात उनका सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी का सांसद होना है, इसलिए उन्हें सरकार से प्रभावित मत आसानी से मिल सकते हैं। इसके अलावा वे सचिव पद का चुनाव शरद पवार के समर्थन से जीते थे, इसलिए पवार का समर्थन उन्हें इस बार भी मिल सकता है। इस चुनाव में अरुण जेटली का समर्थन बहुत महत्त्वपूर्ण है। अगर कहा जाए कि उनके समर्थन के बिना किसी का भी अध्यक्ष बनना संभव नहीं है, कुछ भी गलत नहीं है। अनुराग और जेटली एक ही दल से होने की वजह से उनके बीच जुगलबंदी बन सकती है। इसके अलावा राजीव शुक्ला को भी जेटली का समर्थन हासिल रहा है और इसी कारण वे कांग्रेस सरकार न होने पर भी आइपीएल के चेयरमैन पद पर विराजमान हैं। अनुराग ठाकुर की राह में कम अनुभव रोड़ा बन सकता है। इसके अलावा उनके अध्यक्ष बनने पर सचिव पद भी खाली हो जाएगा। अगर इन वजहों से अनुराग अध्यक्ष नहीं बन पाते हैं, तो राजीव शुक्ला की भी लाटरी खुल सकती है। लेकिन अभी शरद पवार ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं। वे अगर श्रीनिवासन गुट के साथ मिल कर अजय शिर्के पर अपना वरदहस्त रख देते हैं तो फिर उनके अध्यक्ष बनने की राह प्रशस्त हो सकती है। सौरव गांगुली ऐसे दावेदार हैं, जब बाकी लोगों पर सहमति नहीं बन रही हो, तो उनके नाम पर सहमति बन सकती है। पर सौरव गांगुली के अध्यक्ष बनने की राह में सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि बीसीसीआइ के संविधान के मुताबिक चुनाव लड़ने वाले को कम से कम दो साधारण सभा बैठक में भाग लेने का अनुभव होना जरूरी है। लेकिन सौरव बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष बनने के बाद से एक ही एजीएम में भाग ले सके हैं। यह सही है कि कई बार सहमति बनाने के लिए कुछ नियमों को दरकिनार भी कर दिया जाता है या कोई राह निकाल ली जाती है। जैसे बारी-बारी से क्षेत्रों से अध्यक्ष चुनने का नियम इसी उद्देश्य से बनाया गया था कि सभी क्षेत्रों को अध्यक्ष देने का मौका मिल सके। लेकिन माधवराव सिंधिया जिस साल अध्यक्ष बने उस समय दूसरे क्षेत्र की बारी थी, इसलिए यह कह कर उनकी राह निकाल ली गई कि जिस क्षेत्र की बारी है, उसके दो प्रतिनिधि अगर किसी उम्मीदवार का समर्थन कर दें तो वह चुनाव लड़ सकता है। इसी तरह दो एजीएम वाले नियम की भी जरूरत पड़ने पर काट निकल आएगी। यह भी माना जा रहा है कि अनुराग ठाकुर अगर अध्यक्ष बनते हैं तो सौरव गांगुली को सचिव बनाया जा सकता है। इससे क्रिकेटरों को ज्यादा साझीदार बनाने की सिफारिश भी लागू होती नजर आएगी। बीसीसीआइ अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए पहले वर्किंग कमेटी शशांक मनोहर का इस्तीफा स्वीकार करने के बाद चुनाव के लिए विशेष साधारण सभा बुलाएगी। इसमें अध्यक्ष बनने के दावेदारों को तीस में से सोलह मत पाना जरूरी होगा। पर इस चुनाव में वही लड़ सकता है, जिसने कम से कम दो साधारण सभा बैठक में भाग लिया हो और बोर्ड का पदाधिकारी रह चुका हो। इसके अलावा अध्यक्ष बनाने की बारी पूर्व क्षेत्र की है, तो उम्मीदार बनने वाले को पूर्व क्षेत्र की कम से कम एक इकाई द्वारा नामांकन करना जरूरी होगा। यह डालमिया के अध्यक्ष बनने वाला कार्यकाल ही चल रहा है, इसलिए यह सितंबर, 2017 तक ही चलेगा। आइपीएल में स्पॉट फिक्सिंग मामले के बाद बीसीसीआइ के कामकाज में पारदर्शिता और सुधार लाने की जरूरत महसूस की जा रही थी। शशांक मनोहर को लाया भी इसी उद्देश्य से गया था। मनोहर ने कुछ सुधार किए भी। इनमें हितों के टकराव वाले मामलों को देखने के लिए हाईकोर्ट के एक पूर्व जज को न्याय मित्र बनाया गया, पच्चीस लाख रुपए से ज्यादा के खर्च को बीसीसीआइ की वेबसाइट पर डालना शुरू किया गया और क्रिकेट मामलों को देखने के लिए बीसीसीआइ में पहली बार राहुल जौहरी की सीइओ के तौर पर नियुक्ति हुई। पर लोढा समिति की सिफारिशों को लागू करने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगातार दवाब बनाने और कई सिफारिशों को लागू करना खासा मुश्किल होने की वजह से शशांक मनोहर की असली अग्नि परीक्षा अब होनी थी, इसलिए उनके इस्तीफे को डूबते जहाज से कैप्टन के कूदने के तौर पर देखा जा रहा है। असल में कुछ सिफारिशें ऐसी हैं, जिन्हें लागू करना बीसीसीआइ व्यावहारिक नहीं मानता है। इन सिफारिशों में एक राज्य एक मत, सरकारी अधिकारियों को पद नहीं देने, राजनेताओं को अलग रखने और एक व्यक्ति एक पद प्रमुख हैं।

रैगिंग का रोग

बीते कुछ सालों में रैगिंग के खिलाफ हर स्तर पर जागरूकता बढ़ी है। लेकिन आज भी अक्सर ऐसी खबरें आ जाती हैं, जिससे लगता है कि रैगिंग एक सामाजिक समस्या के रूप में शिक्षण संस्थानों में मौजूद है। हालत यह है कि व्यवस्थित और चाक-चौबंद होने का दावा करने वाले स्कूल भी अपने यहां ऐसी घटनाओं को पूरी तरह नहीं रोक पा रहे हैं। नोएडा के दिल्ली पब्लिक स्कूल में सोमवार को बारहवीं के कुछ छात्रों ने ग्यारहवीं के विद्यार्थी यश प्रताप को बेरहमी से मारा-पीटा, क्योंकि उसने रैगिंग के नाम पर अपने कपड़े उतारने से इनकार कर दिया था। अब इस मामले में एफआइआर दर्ज होने के बाद कार्रवाई की बात कही जा रही है, लेकिन आरोप यह भी है कि वरिष्ठ छात्रों ने यश के साथ कुछ दिन पहले भी रैगिंग की कोशिश की थी और इसकी शिकायत प्रबंधन के पास की गई थी। लेकिन तब आरोपी छात्रों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। जाहिर है, इससे उन लोगों का हौसला बढ़ा और उन्होंने यश को बुरी तरह पीटा। सवाल है कि स्कूल प्रबंधन ने पहली शिकायत पर कोई ठोस कार्रवाई करना जरूरी क्यों नहीं समझा! रैगिंग को काफी पहले ही एक गंभीर समस्या के रूप में चिह्नित किया जा चुका है। लेकिन स्कूल प्रबंधन ने काउंसिलिंग से लेकर प्रशासन के स्तर पर ऐसे क्या इंतजाम किए हैं कि कुछ छात्र आज भी कनिष्ठ विद्यार्थियों की रैगिंग करने से नहीं हिचक रहे हैं। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को सख्त निर्देश है कि अगर रैगिंग की कोई घटना हुई तो इसके लिए उन्हें भी जवाबदेह माना जाएगा; हर उच्च शिक्षण संस्थान में रैगिंग के खिलाफ एक समिति बनाने से लेकर संबंधित नियमों का पालन न करने पर संस्थान की मान्यता रद्द कर दी जाएगी। मगर ऐसा लगता है कि न संस्थानों में पहले से पढ़ रहे कुछ विद्यार्थियों को इससे कोई फर्क पड़ता है, न संबंधित संस्थान अपने परिसर में रैगिंग पर रोक को लेकर गंभीर हैं, बल्कि अगर कभी इस तरह की घटना सामने आती भी है तो पहले उसे भीतर ही रफा-दफा करने की कोशिश की जाती है। पिछले एक-डेढ़ दशक के दौरान उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग की प्रवृत्ति पर लगाम लगाने के लिए कानूनी और शासकीय पहल के बेहतर नतीजे भी सामने आए। लेकिन सच यह है कि संस्थानों की लापरवाही के चलते रैगिंग के बहाने किसी नवागंतुक विद्यार्थी को अपमानित और तंग करने, मार-पीट की घटनाएं अब भी सामने आती रहती हैं। सवाल है कि परिचय के परदे में वरिष्ठता जताने का यह कौन-सा सामंती तरीका है कि इसके शिकार विद्यार्थी कभी गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं या फिर अपमान से उपजे दवाब और तनाव के बाद आत्महत्या भी कर लेते हैं। इससे ज्यादा अफसोसनाक और क्या होगा कि कोई युवा अपने भविष्य के सपने लेकर किसी संस्थान में पढ़ाई करने जाता है, लेकिन वह जगह कई बार उसके लिए एक बड़ी त्रासदी साबित होती है। किसी संस्थान या कॉलेज में पहले से पढ़ रहे विद्यार्थियों के भीतर वह श्रेष्ठता-भाव के छद्म से निर्मित विकृत मानसिकता कहां से आती है कि वह नवागंतुकों के साथ ऐसा बर्ताव कर बैठता है।

फिर रावत

सर्वोच्च न्यायालय की मुहर के बाद आखिरकार उत्तराखंड में हरीश रावत के फिर से सरकार बनाने का रास्ता साफ हो गया। हालांकि विधानसभा में शक्ति परीक्षण के तुरंत बाद ही स्थिति साफ हो गई थी, पर सर्वोच्च न्यायालय के तय वैधानिक प्रावधान के चलते एक दिन बाद सरकार बनाने की प्रक्रिया शुरू हो सकी। अदालत के फैसले के बाद केंद्र ने राष्ट्रपति शासन हटाने का एलान कर दिया। पर इस पूरे घटनाक्रम में भाजपा और केंद्र सरकार को काफी किरकिरी झेलनी पड़ी। अब भले भाजपा नेता यह कह कर अपने को पाक-साफ साबित करने की कोशिश कर रहे हों कि हरीश रावत ने विधायकों की खरीद-फरोख्त करके विजय हासिल की, पर उनके तर्क में बहुत दम नहीं रह गया है। अगर अदालत ने कांग्रेस के नौ बागी विधायकों को मतदान से बाहर नहीं किया होता, तो शायद स्थिति बिल्कुल उलट होती। बागी विधायक खुल कर भाजपा के साथ खड़े हो गए थे और उन्हें पूरी उम्मीद थी कि अरुणाचल की तरह उत्तराखंड में भी कांग्रेस का तख्ता पलट करने में कामयाबी मिल जाएगी। मगर तमाम अड़चनें लगाए जाने के बावजूद अदालत ने उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष के फैसले को सही माना और उसी आधार पर बागी विधायकों के खिलाफ निर्णय दिया। केंद्र सरकार ने जिस तरह

हड़बड़ी में राष्ट्रपति शासन लगाने का आदेश जारी किया, उससे भी साफ था कि वह उत्तराखंड में भाजपा की सरकार बनने के लिए रास्ता साफ कर रही थी। राज्यपाल ने सदन में बहुमत साबित करने की तारीख तय कर दी थी, उसी बीच केंद्र ने राष्ट्रपति शासन का आदेश लागू कर दिया। इस पूरे घटनाक्रम ने न सिर्फ एक बार फिर दल-बदल कानून के औचित्य पर सवाल खड़े किए, बल्कि यह भी रेखांकित किया कि जनादेश की सुरक्षा के लिए व्यावहारिक उपाय किए जाने चाहिए। जिन राज्यों में छोटी विधानसभाएं हैं और बहुमत के लिए पक्ष और विपक्ष के बीच बहुत कम सीटों का अंतर होता है, वहां छोटे-छोटे स्वार्थों को लेकर बगावत और तख्ता पलट की आशंका अक्सर बनी रहती है। कई राज्यों में इस प्रवृत्ति के चलते सरकारें बदली हैं। विपक्षी दल सरकार बनाने में कामयाब हुए हैं। अरुणाचल इसका ताजा उदाहरण है। मगर इस तरह राजनीतिक स्वार्थों के चलते आखिरकार ठगा मतदाता ही जाता है। फिर इस उठा-पटक के चलते राज्य पर जो अनावश्यक खर्च का बोझ पड़ता है, अनिश्चितता के दौर में विकास परियोजनाएं रुकी रहती हैं, उस नुकसान की भरपाई आसान नहीं होती। उत्तराखंड में केंद्र ने नाहक दखल देकर न सिर्फ राज्यपाल और विधानसभा अध्यक्ष के विधायी अधिकारों को बाधित किया, बल्कि धारा तीन सौ छप्पन को लेकर बने नियम-कायदों की धज्जियां भी उड़ा दीं। वहां कोई संवैधानिक संकट नहीं था, पर उसने सिर्फ भाजपा की सरकार बनने की संभावना तलाशते हुए एकपक्षीय रास्ता अख्तियार किया। हालांकि केंद्र के इस फैसले के औचित्य पर अदालत को अभी विचार करना है, पर सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले से जाहिर हो गया है कि केंद्र सरकार का कदम गलत था। भाजपा एक मजबूत पार्टी के रूप में उभरी है, कई राज्यों में उसने बहुमत हासिल कर सरकारें बनाई है। इसलिए उसे जनादेश अर्जित करने का प्रयास करना चाहिए, न कि इस नजीर के साथ तख्ता पलट का रास्ता अख्तियार करना चाहिए कि कांग्रेस ने भी अनेक मौकों पर धारा तीन सौ छप्पन का दुरुपयोग किया है। इस तरह वह शायद ही अपने कामकाज के तरीके को कांग्रेस से अलग साबित कर सके।

कम क्यों नहीं हो रहीं दहेज हत्याएं

हमें आधुनिक काल में प्रवेश किए दो सौ साल से ज्यादा हो गए, लेकिन सामाजिक संबंधों के निर्माण में हम अब तक आधुनिक दृष्टिकोण का विकास नहीं कर पाए हैं। सामाजिक संबंधों की धुरी स्त्री-पुरुष संबंध की शुरुआत आज भी दहेज लेकर और देकर की जाती है। जबकि दहेज लेने और देने के खिलाफ कानून है। लेकिन दहेज को लेकर सामान्य लोगों में कोई घृणा का भाव नहीं है। समाज का कोई भी वर्ग दहेज के लिए ना नहीं कहता। न ही दहेज लेना समाज की दृष्टि में आपराधिक कर्म माना जाता है। हमारा ध्यान दहेज के मामलों पर तब जाता है जब कोई लड़की दहेज के लिए उपेक्षा, हिंसा, प्रताड़ना और मृत्यु की भेंट चढ़ जाती है। दहेज न लाने के कारण कई परिवार लड़की को उसके मायके पहुंचा जाते हैं और जब तक मांग न पूरी हो, उसे ससुराल में जगह नहीं मिलती। एक आंकड़े के मुताबिक 2007 से लेकर 2011 तक दहेज के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार 2012 में दहेज हत्या के 2,833 मामले सामने आए। वर्ष 2011 में दहेज के कारण स्त्रियों की हत्या के मामले 2,618 थे। यानी औसतन एक घंटे में एक स्त्री की हत्या दहेज के कारण हुई है। 2013 में दहेज निरोधक कानून के दायरे में आने वाले 10,709 मामले दर्ज किए गए। दहेज प्रथा के पीछे यदि यह मंशा रही हो कि लड़की को पिता के घर में जिन चीजों के व्यवहार की आदत है, पति के घर उसे उन चीजों का अभाव महसूस न हो, तो भी यह हास्यास्पद तर्क है। कारण कि पारंपरिक विवाह प्राय- हैसियत में बराबरी के लोगों के बीच ही हुआ करते हैं, और दूसरा कि वर पक्ष जितना धनी होता है, दहेज की मात्रा भी उसी हिसाब से बढ़ जाती है। छोटी-छोटी वस्तुओं के लिए स्त्री को जला कर मार देना क्रूरता की पराकाष्ठा है। कभी पिता के घर से एक स्कूटर न लाने के कारण, कभी पैसे के कारण, कभी अन्य किसी चीज के कारण विवाहिता को जला कर या अन्य किसी तरीके से मार डाला जाता है। कन्या भ्रूणहत्या से लेकर दहेज हत्या तक सामाजिक कारण एक ही है। लड़की को दहेज देना पड़ेगा, वह माता-पिता के लिए आर्थिक तौर पर बोझ साबित होगी। अत- लड़की पैदा होने का मातम होता है और कई जगह पैदा होने के पहले ही गर्भस्थ कन्या-शिशु को मारने के सारे इंतजाम कर लिये जाते हैं। इस तरह की क्रूरताओं से बच गई कुछ लड़कियां दहेज हत्या का शिकार होती हैं। दहेज का प्रश्न सबसे ज्यादा मध्यवर्ग का प्रश्न है, और आंकड़ों के अनुसार, कन्याभ्रूण हत्या भी सबसे ज्यादा शहरी मध्यवर्ग में ही हो रही है। उच्चवर्ग में भी दहेज का चलन खूब है। लेकिन उच्चवर्ग पर इससे बरसों-बरस बचत

करते रहने का दबाव नहीं होता, उसके लिए तो यह अपनी हैसियत के प्रदर्शन का जरिया होता है। दबाव तो मध्यवर्ग सहित समाज के उससे नीचे के तबकों पर पड़ता है, जहां तमाम परिवार जरूरी खर्चों में कटौती करते हुए भी दहेज का इंतजाम करने में लगे रहते हैं। विचित्र यह है कि आजकल की आधुनिक लड़कियां भी दहेज को बुरा नहीं मानतीं। उसके प्रति घृणा नहीं रखतीं। वे इंतजार करती हैं कि माता-पिता उन्हें दहेज में क्या-क्या क्या देने वाले हैं। दहेज में प्राप्त संपत्ति को कन्या-धन माना जाता है, अत- वे भी चाहती हैं कि माता-पिता से उन्हें दहेज के रूप में यह संपत्ति मिले। मोटा दहेज देकर कैसी भी लड़की की शादी की जा सकती है। परिवारों का दहेज के आधार पर संबंध दरअसल संपत्ति के आधार पर बनाया गया संबंध है, मनुष्यता के आधार पर बनाया गया संबंध नहीं। स्वयं को मनुष्य के रूप में न देख पाने के कारण लड़कियां अपने को एक वस्तु या संपत्ति की तरह ही सजाती-संवारती हैं। इसमें किशोरी, युवती और बुजुर्ग सभी उम्र की महिलाएं शामिल हैं। वे वस्तु और उसके मालिक से अलग अपना मूल्य नहीं देखतीं। शिक्षित लड़कियां भी जहां दहेज का सवाल आता है, वहां विरोध नहीं करतीं। मां-बाप अपनी हैसियत के अनुसार दें और खुशी से दें तो भी वह दहेज ही कहलाएगा। माता-पिता को देना ही है तो अपनी संपत्ति में बेटी को हिस्सा दें। लेकिन ऐसे उदाहरण नहीं मिलते। न ही जनजागृति का ऐसा कोई प्रयास देखने को मिलता है कि बेटी भी संपत्ति की उत्तराधिकारिणी है। दहेज के खिलाफ कानून है, लेकिन हम उसका पालन नहीं करते। बेटी को भी संपत्ति में समान हक का कानून है, हम उसका भी पालन नहीं करते। फिर हम कैसे कह सकते हैं कि यह एक सभ्य नागरिक समाज है जो नियम-कानून से बंधा हुआ है! यह तो सुविधाजनक व्याख्या और व्यवहार से चल रहा है। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान स्त्री का है और व्यापक नुकसान समाज का है। बेटी को दहेज देकर दूसरे घर भेज कर छुट्टी पाने की मानसिकता का ही परिणाम है कि माता-पिता लड़की पर भरोसा नहीं करते। वैसा विश्वास नहीं करते जैसा वे अपने लड़कों पर करते हैं। लड़की की शिक्षा समेत तमाम उपलब्धियों पर गर्व नहीं करते, उसे आत्मनिर्भर बनने का पूरा मौका नहीं देते। उसकी स्वतंत्रता पर नियंत्रण होना चाहिए। उस पर तमाम पाबंदियां इसी मानसिकता के कारण लाद दी जाती हैं। एक स्वतंत्र चेतना संपन्न और स्वस्थ व्यक्तित्व के निर्माण के लिए जिस तरह का मुक्त, पाबंदी-रहित, आनंदपूर्ण वातावरण चाहिए, वह मध्य और निम्न मध्यवर्गीय लड़की को नसीब नहीं होता। फिर शिक्षित लड़कियां भी यदि अपने लिए बने पिंजरों में आनंद लेने लगें तो आश्चर्य क्या! उपभोक्तावादी व्यवस्था ने लड़की को सिखाया है कि उसकी देह को हर कोण से सुंदर लगना चाहिए। शादी के पहले ब्राइडल पैकेज का नया धंधा आरंभ है। यह महीनों चलता है। शादी के बाद भी शादीशुदा घरेलू और कामकाजी औरतें जिस तरह से अपने को सौंदर्य प्रसाधनों और पार्लरों के जरिए सुंदर बनाने की होड़ में लगी रहती हैं वह दुखद है। आज की आधुनिक लड़की की स्थिति यह है कि वह शिक्षित है, बहुत-सी आत्मनिर्भर भी हैं लेकिन दहेज को लेकर उनमें स्वीकृति का भाव है। मीडिया और विज्ञापनों का बाजार लड़की की इस मनोदशा को पकड़ता है। गहनों के विज्ञापन तो जैसे दहेज प्रथा का घोषणापत्र हैं। प्राय- हर विज्ञापन में लड़की का विवाह और उसमें दिया जाने वाला दहेज केंद्र में होता है। एक विज्ञापन में गहनों को पीढ़ी-दर-पीढ़ी दिए जाने वाले दहेज के रूप में दिखाया जाता है। हाल के एक विज्ञापन में बच्ची के लिए पिता गहनों का भारी सेट खरीद कर लाता है, मां के आपत्ति करने पर वह कहता है, बच्ची बड़ी हो रही है, उसका विवाह भी तो करना है। एलआइसी के एक विज्ञापन में बेटी के विवाह के अवसर पर उसकी मां को विवाह में आया मेहमान बधाई देता है कि शर्माजी की मृत्यु के बाद भी उसने बेटी का विवाह बड़ी धूमधाम से किया तो वह कहती है कि सारे काम तो शर्माजी ने अपने जीते-जी कर दिए, उनके एलआइसी में जमा रकम से बेटी के विवाह का सारा खर्च निकला। यानी विवाह पर लेन-देन और अन्य चीजों पर बेशुमार खर्च होते हैं जो मां-बाप पर भारी होते हैं। प्रकारांतर से ये सभी विज्ञापन विवाह में दिए जाने वाले दहेज की वकालत करते हैं। कोई आवश्यक नहीं कि विवाह पर इतने तामझाम और अनावश्यक खर्चे किए जाएं। लेकिन जो हमारे समाज के 'आइकॉन' हैं वे जब स्वयं का या अपने बेटे-बेटियों का विवाह करते हैं तो करोड़ों रुपए फूंक देते हैं। धन और अप्रत्यक्षत- दहेज की वस्तुओं का भोंडा प्रदर्शन करते हैं। उनकी तस्वीरें मीडिया में छाई रहती हैं। लोग उनकी नकल करने की कोशिश करते हैं। इस तरह के विवाह के प्रचार पर न तो कोई रोक लगती है न ही इस प्रकार के विज्ञापनों के कथ्य पर अश्लीलता या क्रूरता का आरोप लगता है। जबकि ये विज्ञापन दहेज के लिए उत्प्रेरणा का काम करते हैं अत- स्त्री पर होने वाली दहेज संबंधी क्रूरताओं को छिपाने का काम करते हैं। वर्ष 2013 के दर्ज आंकड़ों से जाहिर है कि दहेज संबंधी हत्याओं का प्रतिशत साल-दर-साल बढ़ रहा है। स्त्री को वस्तु और बोझ के रूप में देखने के कारण वर-पक्ष लड़की से विवाह के बदले दहेज की मांग करता है। कई राज्यों में तो पेशों के हिसाब से दहेज की रकम निश्चित होती है। दहेज के लेन-देन में उत्तर के राज्य हों या दक्षिण के, सभी एक जैसे हैं। साक्षरता दर में अगड़े और पिछड़े राज्यों में दहेज के लेन-देन के मामलों में फर्क नहीं है। आंध्र प्रदेश और बिहार दहेज हत्या के मामले में थोड़े ही अंतर से आगे-पीछे हैं। केरल में साक्षरता दर सर्वाधिक है, उसी मात्रा में वहां दहेज का लेन-देन भी है। दहेज हत्या के बढ़ते आंकड़ों के बावजूद दहेज प्रथा का उन्मूलन किसी राजनीतिक दल के घोषणापत्र का हिस्सा नहीं बन पाया है।

स्वात्वाधिकारी (मुद्रक, प्रकाशक, मालिक व सम्पादक) मनोज भारद्वाज द्वारा नीलू प्रींटिंग प्रैस, प्लॉट नं. 3/1, टीसीसी, कॉम्प्लेक्स, सेक्टर 10 फरीदाबाद-121006 से छपवाकर मुख्य कार्यालय बी 2403 गली नं. 8 25 फुट रोड़ एसजीएम नगर एन.एच.4 एन.आई.टी फरीदाबाद से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं.-HARHIN/2012/41589
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।

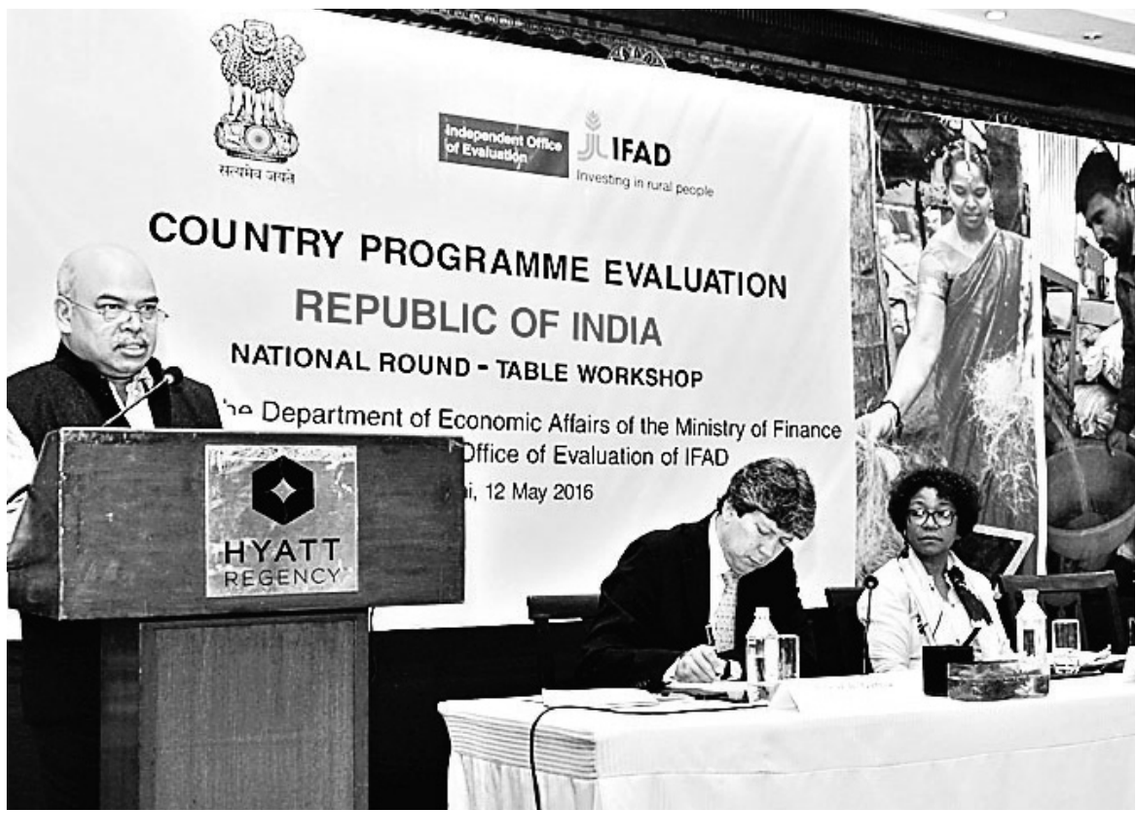

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के सचिव, श्री एस.के. पटनायक दिल्ली में वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग और अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास निधि (आईएफएडी) द्वारा इंडिया कंट्री प्रोग्राम इवैल्यूएशन विषय पर संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय गोल मेज कार्यशाला के दौरान संबोधित करते हुए। आर्थिक कार्य विभाग के अपर सचिव, श्री दिनेश शर्मा, इंडिपेंडेंट ऑफिस ऑफ इवैल्यूएशन (आईओई), आईएफएडी के निदेशक, श्री ऑस्कर गार्सिया और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित हैं।

शराब मुक्त समाज, संघ मुक्त भारत : नीतिश कुमार

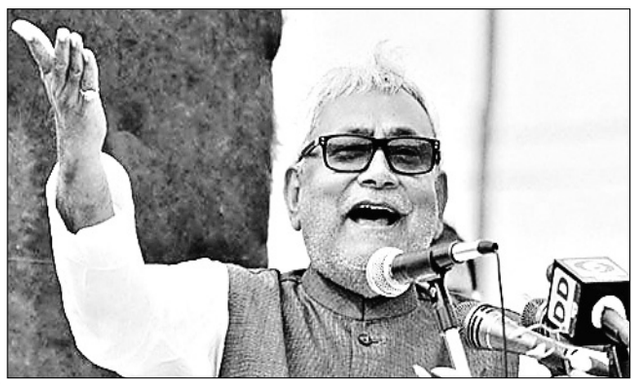

वाराणसी। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का बिगुल फूंकते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर जोरदार तरीके प्रहार किये और सूबे की जनता का आह्वान किया कि वह अहंकार से भर चुकी भाजपा को आगामी चुनाव में बिहार की ही तरह सबक सिखाएं। नीतीश ने कहा कि भाजपा और आरएसएस राष्ट्रभक्ति का पाठ ना पढ़ाए।

नीतीश ने मछलीशहर लोकसभा क्षेत्र के पिण्डारा में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा कि जनता से बड़े-बड़े वादे करके मुकरने वाली भाजपा अहंकार से भर गयी है लेकिन वह भूल रहे हैं कि राजनीति में अहंकार सबको खत्म कर देता है। लोकसभा चुनाव में जनता को बरगला कर बिहार की 40 में से 31 सीटें हासिल करने वाली भाजपा को विधानसभा चुनाव में जनता ने जदयू-राजद-कांग्रेस महागठबंधन के हाथों धूल चटा दी। अब उत्तर प्रदेश की बारी है।

प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिये पार्टी का बिगुल फूंकते हुए नीतीश ने कहा, 'बिहार के लोगों ने महागठबंधन को विशाल बहुमत देकर जता दिया कि अब जनता का भाजपा पर से भरोसा उठ गया है। बिहार के लोगों ने तो बता दिया। अब उत्तर प्रदेश के लोगों को बताना होगा कि भाजपा की कथनी और करनी में कितना अंतर है।' नीतीश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी के लोगों से मुखातिब होते हुए कहा, 'बनारस के लोग क्या उम्मीद कर रहे थे।

पूरे यूपी के लोगों को जिन्होंने 73 सीटों पर भाजपा एवं सहयोगी दलों को समर्थन दिया, उन्हें अब पता लग रहा होगा। पूरे देश के लोगों को पता लगता होगा।'

जेडीयू प्रमुख ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर तीखे प्रहार करते हुए कहा, 'जो लोग (भाजपा) आज देशभक्ति की बात कर रहे हैं, आजादी की लड़ाई में उनके पुरखों (संघ) की कोई भूमिका नहीं रही है। जब लोग बापू के नेतृत्व में आजादी के लिए लड़ रहे थे, तब वे (संघ के लोग) कहीं नहीं थे, आज वे सबको देशभक्ति का पाठ पढ़ा रहे हैं।'

संक्षिप्त समाचार

हिलेरी होंगी अमेरिका की अगली राष्ट्रपति - जो. बाइडेन

वाशिंगटन। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जो. बाइडेन ने कहा है कि हिलेरी क्लिंटन राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार बनकर उभरेंगी और आखिरकार अगले साल जनवरी में बराक ओबामा की जगह लेंगी। बाइडेन ने एबीसी के 'गुड मॉर्निंग अमेरिका' टेलीविजन शो में एक साक्षात्कार में कहा, ''मुझे विश्वास है कि हिलेरी उम्मीदवार बनेंगी और मुझे विश्वास है कि वह अगली राष्ट्रपति होंगी ।'' यह पूरा साक्षात्कार बुधवार (11 मई) को प्रसारित हुआ जिसके अंश मंगलवार (10 मई) को जारी किए गए। बाइडेन की टिप्पणी महत्व रखती है क्योंकि राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवारी के लिए प्राइमरी अभी चल रहा है । पिछले साल बाइडेन ने कहा था कि वह राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल नहीं होंगे।

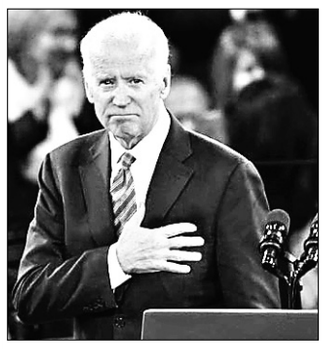

'राज्यसभा की 57 सीटों के लिए चुनाव 11 जून को'

नई दिल्ली। राज्यसभा की 57 सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव 11 जून को कराए जाएंगे। इसमें शराब व्यवसायी विजय माल्या द्वारा खाली की गई एक सीट भी शामिल है। चुनाव आयोग ने गुरुवार को यह जानकारी दी। 15 राज्यों से 55 सदस्यों का कार्यकाल जून और अगस्त

के बीच पूरा हो रहा है। राजस्थान और कर्नाटक से एक-एक सीट क्रमश : आनंद शर्मा (कांग्रेस) और विजय माल्या (निर्दलीय) द्वारा खाली की गई है। इनके लिए भी चुनाव कराए जाएंगे। इन कुल 57 सीटों में से 14-14 सीटें भाजपा और कांग्रेस से जुड़ी हैं, जबकि छह सदस्य बसपा, पांच जेडीयू और तीन-तीन सपा, बीजेडी व अन्नाद्रमुक से हैं।

दो-दो सदस्य द्रमुक, राकांपा और तेदेपा से हैं, जबकि एक सदस्य शिवसेना का है। माल्या एक निर्दलीय सदस्य थे जिन्होंने 5 मई को इस्तीफा दे दिया। जिन सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो रहा है, उनमें केन्द्रीय मंत्री एम. वेंकैया नायडू, बिरेन्दर सिंह, सुरेश प्रभु, निर्मला सीतारमण, पीयूष गोयल और मुख्तार अब्बास नकवी, पूर्व मंत्री जयराम रमेश, जेडीयू नेता शरद यादव और वरिष्ठ अधिवक्ता राम जेठमलानी शामिल हैं। जहां सेवानिवृत्त हो रहे सबसे अधिक 11 सदस्य उत्तर प्रदेश से हैं, वहीं छह-छह सदस्य तमिलनाडु और महाराष्ट्र से हैं। बिहार से पांच सीटों पर चुनाव कराए जाएंगे, जबकि आंध्र प्रदेश और कर्नाटक से चार-चार सीटों पर चुनाव होंगे। वहीं मध्य प्रदेश और ओड़िशा से तीन-तीन सीटों, हरियाणा, झारखंड, पंजाब, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना से दो-दो सीटों और उत्तराखंड से एक सीट पर चुनाव होने हैं। इन चुनावों के लिए अधिसूचना 24 मई को जारी की जाएगी।

सिंहस्थ में साधुओं के अखाड़े के चुनाव में खूनी संघर्ष, 6 घायल

उज्जैन। उज्जैन में चल रहे सिंहस्थ कुंभ में आज यहां आव्हान अखाड़े के कुछ पदों के चुनाव के दौरान साधुओं के बीच हुए खूनी संघर्ष में छह साधु घायल हो गये। पुलिस ने इस मामले में दो साधुओं को गिरफ्तार भी किया है।

कुछ तीर्थयात्रियों के मुताबिक, साधुओं के इस संघर्ष में उन्हें गोलियां चलने की आवाज भी सुनाई दी। हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की और कहा कि वह इसकी जांच कर रहे हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) मनीष खत्री ने बताया कि संघर्ष में साधुओं द्वारा तेज धारदार त्रिशूल का भी प्रयोग किया गया। इससे गंभीर रूप से घायल चार साधुओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि मामूली तौर पर चोटिल हुए दो साधुओं का अखाड़े में ही प्राथमिक उपचार किया गया। उन्होंने बताया कि इस संघर्ष में छह साधु राहुल पुरी (25), राजेश पुरी (62), भोला पुरी (70), सनातन पुरी (30), नगेन्द्र पुरी (40), और राघव पुरी (35) घायल हुए हैं। एएसपी ने बताया कि इस सिलसिले में दो साधुओं को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही संघर्ष के दौरान गोली चलने की सूचना की भी जांच की जा रही है।

'आतंकियों से निबटने के लिए सोशल मीडिया पर निगरानी जरूरी'

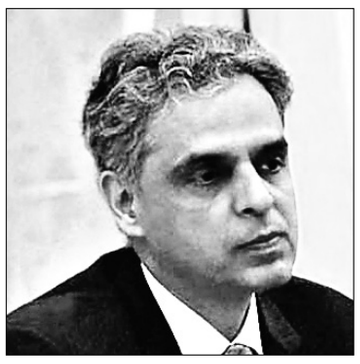

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने कहा है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की जरूरी सुरक्षा के साथ सोशल मीडिया पर सावधानी से निगरानी की जरूरत है क्योंकि आतंकवादी समूह अपने उग्रवादी मंसूबों को पूरा करने के लिए ऐसे मंचों का उपयोग युवाओं को आकर्षित करने के लिए कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि सैयद अकबरूद्दीन ने ऐसे मंचों पर ''नफरत के लक्षित प्रचार'' पर भी चिंता जताई। अकबरुद्दीन ने ''आतंकवाद के विमर्शों और विचारधाराओं का निरोध'' पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली चर्चा में कहा कि आतंकवादी समूहों के हाथों सोशल मीडिया के दुरुपयोग के मद्देनजर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की जरूरी सुरक्षा के साथ सोशल मीडिया पर सावधानी से निगरानी की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''लोगों को एक साथ लाने के लिए बनाए गए सोशल मीडिया के फैलते नेटवर्कों पर नफरत के लक्षित प्रचार से मदद पा कर महाद्वीपों के विकासशील और विकसित देशों में एक समान आतंकवाद के हाइड्रा जैसे राक्षस का फैलाव जारी है।'' अकबरुद्दीन ने कहा आईएसआईएस में विदेशी आतंकवादी लड़ाके शामिल हो रहे हैं जिनमें से ज्यादातर 15 से 25 साल के युवक हैं जो व्यापक विविधता वाले जातीय समूहों और आर्थिक श्रेणियों से आते हैं और इसका फैलाव इसके ''पुश ऐंड पुल फैक्टर'' की जबरदस्त जटिलता का प्रतीक है। 'पुश फैक्टर' में जंग, अकाल, राजनीति असहिष्णुता और चरमपंथी धार्मिक गतिविधियां जैसे कारक शामिल होते हैं जिसके चलते कोई उस जगह से विस्थापित होता है। 'पुल फैक्टर' में बेहतर आर्थिक अवसर, ज्यादा रोजगार, बेहतर जीवन की आशा जैसे कारक हैं जो लोगों को आकर्षित करते हैं। अकबरुद्दीन ने कहा, ''युवाओं को चरमपंथ में दीक्षित होने से केवल तभी बचाया जा सकता है जब वे मुख्यधारा के सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक परिवेश से अपना जुड़ाव विकसित कर सकें। चरमपंथ के रास्ते से लौटे लोगों की दीर्घकालीन देख-भाल भी आतंकवाद के संभावित रंगरूटों को यह एहसास दिलाने के लिए एक अहम पहलू है कि उनके लिए विकल्प उपलब्ध हैं।''

'अगस्ता डील में दी गई थी घूस'

नई दिल्ली/दुबई। अगस्ता वेस्टलैंड डील के बिचौलिए क्रिश्चियन मिशेल ने एक चैनल से बातचीत में यह कन्फर्म किया है कि 2008 में उसने एक लेटर में सोनिया को इस सौदे के फैसले में ड्राइविंग फोर्स बताया था। डील के तहत टॉप पॉलिटिशियंस के लिए नए हेलिकॉप्टर मंगाए जाने थे। हालांकि मिशेल ने यह भी कहा है कि वह सोनिया और उनके बेटे राहुल को पर्सनली नहीं जानता है और डिप्लोमैट्स की लॉबिंग का मतलब यह नहीं है कि इन्हें (कांग्रेस के टॉप लीडर्स) रिश्वत दी गई। और क्या कहा बिचौलिए ने... दुबई में रह रहे मिशेल ने कहा कि गांधी को प्रोटेक्ट करने से ही मैं बच सकूंगा। खुद को बेकसूर साबित करने के लिए मुझे उनको (सोनिया-राहुल गांधी) बेकसूर बताना जरूरी हूं। मिशेल ने कहा कि वह अपने हाल के इस दावे पर कायम है कि पीएम नरेंद्र मोदी ने पिछले साल न्यूयॉर्क में इटैलियन पीएम से मुलाकात की थी। इस दौरान मोदी ने भारत में कैद मर्डर के आरोपी दोनों इतालवी मरीन्स की रिहाई का ऑफर दिया था और इसके बदले अगस्ता डील से जुड़ी इन्फॉर्मेशन मांगी थी ताकि गांधी को इस मामले में नीचा दिखाया या फंसाया जा सके।

इस्लामिक स्टेट ने बच्चों के लिए लॉन्च किया मोबाइल ऐप, सिखाएगा

वाशिंगटन। जिहाद इस्लामिक स्टेट ने बच्चों के लिए एक मोबाइल एप्प की शुरूआत की है। इसके माध्यम से वह अरबी भाषा के शब्दावली सिखाएगा, जिनमें 'टैंक', 'बंदूक' और 'रॉकेट' सहित जिहादी विषय शामिल हैं। 'लांग वार जर्नल' की रिपोर्ट के मुताबिक आईएस की 'लाइब्रेरी ऑफ जील' ने एंड्रायड एप्लीकेशन की शुरूआत की है, जिसे बच्चे डाउनलोड करके अरबी भाषा के अक्षर और शब्द सीख सकते हैं। इस ऐप में जिन शब्दावलियों को शामिल किया गया है, उनमें जिहादी विषय से संबंधित शब्द भी शामिल हैं। ऐप को इस्लामिक स्टेट टेलीग्राम चैनल और दूसरी फाइल शेयरिंग वेबसाइट के माध्यम से जारी किया गया है। ऐप ऐसे कई गेम दिए गए हैं, जिनके जरिए बच्चे अरबी भाषा के अक्षर सीख सकेंगे। इसमें इस्लामी गीत 'नशीद' भी हैं जो बच्चों को अक्षर सीखने में मदद करेगा। 'लांग वार जर्नल' ने अपनी वेबसाइट पर इस ऐप की कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। ऐप को देखकर इसमें वह सभी खूबियां नजर आती हैं, जो बच्चों के किसी ऐप में होनी चाहिएं।

राष्ट्रपति, श्री प्रणब मुखर्जी ने राष्ट्रपति भवन, अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर मेधावी नर्सिंग कर्मियों को फ्लोरेंस नाइटिंगल पुरस्कार-2016 वितरित किए। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, श्री जे.पी.नड्डा और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव, श्री बी.पी. शर्मा भी साथ हैं।

दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में दिल्ली नहीं

नई दिल्ली। भारत की राजधानी दिल्ली अब दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से जारी आंकड़ों में यह खुलासा हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से विश्व के 67 देशों के 795 शहरों में वायु प्रदूषण की स्थिति पर जारी ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि हवा में पार्टिक्युलेट मैटर यानी मानव स्वास्थ्य के लिए घातक धूल के बेहद बारीक कणों के मामले में दिल्ली की आबो हवा में पहले से काफी सुधार हुआ है। इसके लिए सरकार की ओर से किए गए प्रयास प्रभावी साबित हुए हैं।

ऑड-ईवन योजना का इसमें अच्छा योगदान रहा है लेकिन यह उपाय स्थाई साबित नहीं होंगे इसके लिए सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को दुरूस्त करने, साइकिल के लिए अलग लेन बनाने और वाहनों की संख्या में भारी कमी करने जैसे दीर्घकालिक उपायों की दरकार है। सर्वे में ईरान के जाबोल शहर को सबसे गंदी हवा वाला शहर माना गया। इस शहर में गर्मी के मौसम में महीनों धूलभरे तूफान आते हैं। सूची में अगले चार शहर भारत के हैं। ग्वालियर को दूसरा, इलाहाबाद को तीसरा, पटना को चौथा और रायपुर को पांचवां सबसे गंदी हवा वाला शहर आंका गया है।

'इंदिरा गांधी चाहती थी छोटी बहू मेनका सियासत में उनकी मदद करे'

नई दिल्ली। दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी अपने पुत्र संजय गांधी का निधन होने के बाद चाहती थीं कि उनकी छोटी बहू राजनीति में उनकी मदद करे लेकिन मेनका ऐसे लोगों के साथ थीं जो राजीव के विरोधी थे। 'हालांकि दिवंगत प्रधानमंत्री का सोनिया के प्रति अनुराग अधिक था लेकिन संजय की मौत के बाद उनका झुकाव मेनका की ओर भी हो गया था।' यह बात इंदिरा गांधी के निजी चिकित्सक के पी माथुर ने अपनी नयी किताब 'द अनसीन इंदिरा गांधी' में कही है। कोणार्क प्रकाशन द्वारा प्रकाशित इस किताब में कहा गया है 'लेकिन इंदिरा का झुकाव मेनका को उनके करीब नहीं ला पाया। सोनिया आम तौर पर घरेलू मामलों का जिम्मा संभालती थीं जबकि राजनीतिक मामलों में प्रधानमंत्री मेनका के विचारों पर गौर करती थीं क्योंकि मेनका की राजनीतिक समझ अच्छी थी।'

सफदरजंग अस्पताल के पूर्व चिकित्सक माथुर ने करीब 20 साल तक दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चिकित्सक के तौर पर काम किया और वह हर सुबह इंदिरा से मिलते थे। यह सिलसिला वर्ष 1984 में इंदिरा का निधन होने तक चला। इंदिरा के साथ अपने अनुभवों को ही डा. माथुर ने किताब की शक्ल दी है। किताब में दावा किया गया है कि संजय गांधी के निधन के कुछ ही साल बाद मेनका ने हालात से सामंजस्य स्थापित करने के बजाय प्रधानमंत्री आवास छोड़ दिया। डॉ माथुर ने लिखा है 'संजय के निधन के बाद इंदिरा का मेनका के प्रति रवैया बेहद नर्म हो गया।

तकलीफों से लिवर को जरूर बचाएं

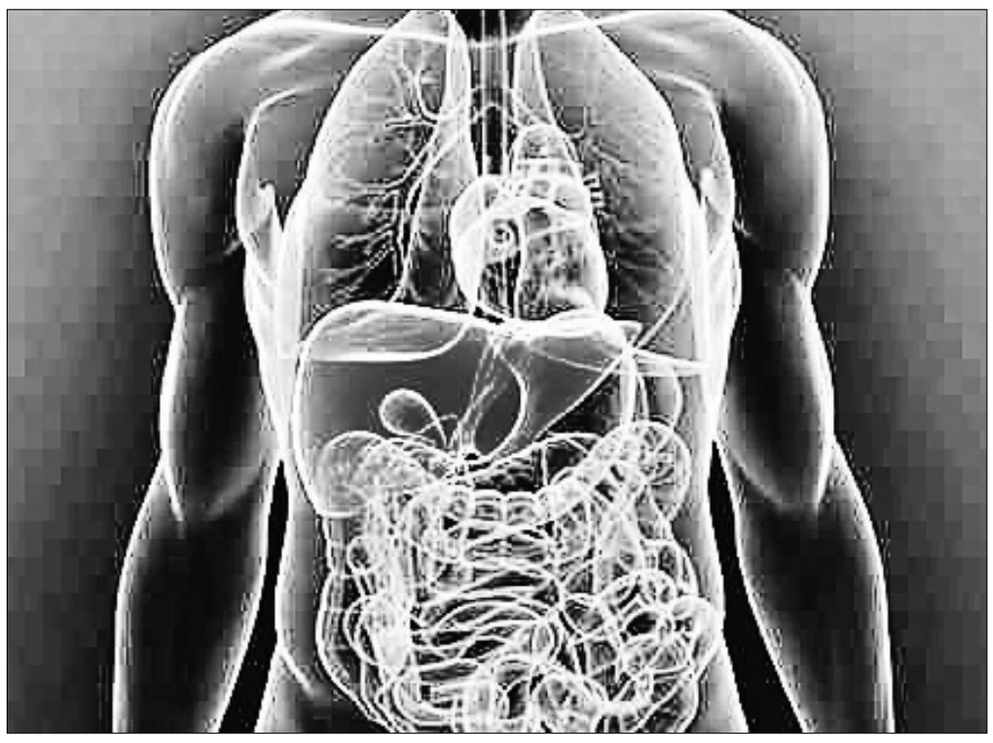

यह गलतफहमी कई लोगों को होती है कि लिवर से जुड़ी समस्याएं सिर्फ शराब पीने वालों को होती हैं। असल में अनियमित जीवनचर्या, असंतुलित खान-पान तथा जेनेटिक्स जैसी कई चीजें लिवर की सेहत को बिगाड़ने का काम कर सकती हैं। लिवर का अस्वस्थ होना यानी कई सारी मुसीबतें और ध्यान न देने पर यह स्थिति जानलेवा भी हो सकती है। इसलिए लिवर को सेहतमंद रखना आवश्यक है।

क्यों है लिवर इतना महत्वपूर्ण?

शरीर में दूसरे सबसे बड़े अंग के रूप में कार्यरत लिवर की भूमिका कई मायनों में बहुत महत्वपूर्ण होती है। यह विभिन्न् संक्रमणों और बीमारियों से बचाने का काम करता है, कोलेस्ट्रॉल के स्तर को संतुलित बनाए रखता है, पचे हुए भोजन को प्रोसेस करता है एवं पाचन के लिए जरूरी बायो कैमिकल्स उत्पन्न् करता है, भोजन से मिलने वाले पोषक तत्वों को ऊर्जा में परिवर्तित करता है, हॉर्मोन्स का संतुलन बनाए रखता है, फैट और ग्लूकोज के स्तर को संतुलित रखता है, रक्त शोधक की भूमिका निभाता है और शरीर में नुकसानदायक तथा जहरीले रसायनों का खात्मा करने जैसे सैकडों काम करता है।

ऐसे बढ़ाएं लिवर की क्षमता

इस महत्वपूर्ण अंग की कार्यक्षमता को दुरुस्त रखने के लिए कुछ बातों का खास खयाल रखने की जरूरत है। इनमें शामिल हैं, सही व पोषक खान-पान जिसमें भरपूर मात्रा में खनिज और विटामिन्स हों, हरी सब्जियां, फल हों, शकर की मात्रा कम हो क्योंकि शकर लिवर के लिए घातक हो सकती है। भरपूर पानी पीएं, प्रोसेस्ड और रिफाइंड भोजन एवं जंकफूड से बचें। साथ ही चाय और कॉफी के अधिक सेवन से भी दूर रहें। शराब, सिगरेट के साथ ही अन्य नशीले पदार्थों से भी दूर रहें। कैमिकल्स युक्त पदार्थ जैसे प्लास्टिक, शैम्पू, डियो, कोलोन, परफ्यूम, कीटनाशक, सन्सक्रीन, का प्रयोग भी कम करें। व्यायाम को जीवन का अभिन्न् अंग बनाएं।

लिवर को लाभ पहुंचाने वाले पदार्थ

अपनी डाइट में ऐसे पदार्थों को शामिल करें जो लिवर को लाभ पहुंचाती हैं। इनमें शामिल हैं- सामान्य तापमान पर बना नीबू पानी का घोल, सेब, संतरा, मौसंबी, नाशपती, ब्रॉकली, फूलगोभी, पत्तागोभी, पालक व अन्य हरी पत्तेदार सब्जियां, चुकंदर, आदि। इसके अलावा हल्दी का सेवन भी लाभ पहुंचाता है।

तकलीफों का कारण

लिवर से जुड़ी समस्याओं के लिए शराब का अत्याधिक सेवन तो दोषी है ही। इसके अलावा खान-पान का असंतुलन, अनियमित जीवनचर्या, व्यायाम या फिजिकल एक्टिविटी की कमी, कुछ विशेष औषधियां और मोटापा जैसी कई और भी चीजें हैं जो लिवर को परेशानी में डाल सकती हैं।

सेहत पाने के लिए खाने से शामिल करें यें चीजें

मौसम बदलने के साथ ही हमारा खान-पान और लाइफ स्टाइल दोनों ही बदल जाते हैं। गर्मियों में हमें अपने खानपान का ज्यादा ख्याल रखना पड़ता है, नहीं तो हमारी सेहत बिगड़ सकती है और कई बीमारियों का सामना करना पड़ता है। जैसे कि दस्त लगना, पेट में गैस बनना, सनबर्न और स्किन संक्रमण आदि। इसलिए आज हम आपको गर्मियों में अच्छी सेहत पाने के लिए खाने से कुछ चीजों को शामिल करने के बारें में बताएगें।

■ जिनको गर्मियों के मौसम में ज्यादा प्यास लगती हैं, वह साधारण पानी पीने के जगह पानी में नींबू, आम पन्ना, शरबत, सत्तू, लस्सी डाल कर पीएं। इसे पीने से आपको पेट से संबंधित किसी तरह की दिक्कत नहीं होगी।

■ इस मौसम में प्यास लगने के कारण हम दिन भर में ज्यादा पानी पीतें हैं। इसलिए कभी भी तला हुआ खाना और ओवर ईटिंग न करें।

■ ऐसे मौसम मे आप ज्यादा पानी की मात्रा वाली चीजों का सेवन करें। जैसे कि मौसमी फलों और सब्जियों में तरबूज, खरबूजा, लीची, ककड़ी, खीरा, आम, गन्ने का रस, मैंगो शेक, अनार का जूस आदि।

■ गर्मी के मौसम में चाय, कॉफी की जगह पर कोल्ड कॉफी, ग्रीन टी, लेमन टी, हर्बल टी आदि ही पीएं।

■ गर्मियों में अपने खाने की चीजों में तैलीय चीजें और कम मसालेदार चीजों को भूलला कर पेय पदार्थों का सेवन करें। ऐसे में आप जौ से बनी चीजें भी खा सकते हैं।

■ अगर आप बाहर से आकर उसी वक्त ठंडा पानी पीएंगे तो आप गर्म-सर्द हो सकते हैं।इसलिए थोड़ा समय रूक कर ही पानी पीएं।

■ गर्मी के मौसम में बाजार की चीजें कम खानी चाहिएं, जैसे कि बासी खाना। ऐसा खाना खाने से आपको डायरिया, हैजा, पीलिया, डिहाइड्रेशन, फूड पॉइजनिंग, गैस और बदहजमी जैसी बीमारियां हो सकती हैं।

■ खान-पान के साथ गर्मी में बाहर जाते समय लू से बचने के लिए छाते, टोपी और रुमाल का इस्तेमाल करें।

■ ऐसे मौसम मे सेवन ठीक रखने के लिए खाने में हल्की चीजों को शामिल करें। जैसे कि दाल, चावल, सब्जी और रोटी आदि।

■ ऐसे मौसम में एक बार पेट भर कर खाना नहीं खाना चाहिएं। थोड़े-थोड़े समय के बाद कुछ न कुछ खाएं। ऐसा करने से आपको बदहजमी और गैस जैसी समस्याएं नहीं होगी।

■ खान के साथ-साथ आपको सुबह व शाम को व्यायाम भी जरूर करना चाहिएं। इसे आप सारा दिन तरोताजा महसूस करेंगे और सेहत भी अच्छी रहेंगी।

इन कारणों से होती है, आपके बच्चों की नजर कमजोर

बच्चों के शरीर की तरह उनकी आंखें भी बहुत कोमल होती हैं। इसलिए हर मां-बाप को चाहिए कि वह अपने बच्चे के स्वास्थ्य का ख्याल रखें। अक्सर देखा जाता हैं कि छोटे बच्चे टीवी को पास से बैठकर देखते है जिसके कारण उनकी नज़र कमजोर हो जाती हैं। इसलिए बच्चों की आंखों की समय-समय पर जांच जरूर करवानी चाहिए।नहीं तो छोटी उम्र में ही आपके बच्चों की आंखों पर चश्मा लग जाएगा। आज हम आपको कुछ ऐसे कारण बताएंगे जिनसे पता लगाया जा सकता है कि आपके बच्चों की नज़र कमज़ोर हो रही है। तो आइए जानते है...

♦ अक्सर देखा जाता है कि छोटे बच्चे सोते समय अपनी आखें मलते रहते है। यह बच्चों की नजर कमजोर होने की निशानी भी हो सकती है। इसलिए बच्चों की आंखों की समय पर जांच करवाएं।

♦ अगर आपके बच्चे का पढ़ाई के समय या फिर टीवी देखते समय सर दर्द होता है तो उसकी आंखों का जांच जरूर करवा लें।

♦ ध्यान में रखें कि आपका बच्चा एक आंख से टीबी तो नहीं देखता। अगर ऐसा है तो इसका मतलब है कि उसकी नजर कम है और उसे चश्मा लगाने की जरूरत है।

♦ अगर आपका बच्चा ज्यादा रोशनी में आंखों की पलकें झपकता है या फिर उसे कम रोशनी की तरफ जाते समय उसे धब्बे नजर आते हैं तो यह विटामिन की कमी होने से भी हो सकता है। ऐसे में बच्चें के खाने में विटामिन ए बढाने के लिए रोज गाजर का जूस पिलाएं।

♦ मज़ाक-मज़ाक में बच्चे अपनी नजरों को तिरछा करते रहते हैं। ऐसे में आपको ध्यान रखना चाहिए कि यह बच्चे की आदत है या फिर नज़र कमजार होने के लक्षण।अगर नजर कमजोर हो तो तुरंत उसकी आंखों का इलाज कराएं।

♦ अगर बच्चा टीवी देखते समय बीच में अपनी आंखें बंद करके सर को हिलाता रहता है तो उसकी आंखों की जांच करवाएं।

♦ अगर बच्चे को कोई चीज दूर से साफ न दिखें और पास आकर साफ दिखे तो या उसकी कम होती दृष्टि का संकतक है।

♦ अपने बच्चें से बात करते समय उसकी आंखों की तरफ अच्छे से देखें कि आई बॉल की गति में किसी तरह की भिन्नता तो नहीं है। अगर है तो बच्चे की आंखों का इलाज करवाएं।

रोज सुबह कसरत करने से होंगे ये फायदे

शरीर को अच्छे बनाएं रखने के लिए सुबह की एक्सरसाइज को सबसे अच्छा माना जाता है। रोज सुबह व्यायाम करने से हमारा शरीर तंदुरुस्त और सेहतमंद रहता है। व्यायाम करने से हमें सारा दिन ताजगी महसूस रहती है और हमारी मांसपेशियों को मजबूत बनाया जा सकता है। अगर हम रोज सुबह व्यायाम करना शुरू कर दें तो हमें इसकी आदत पड दाती है, जिससे किसी तरह की एक्सरसाइज करने में दिक्कत नहीं होती। आज हम आपको रोज सुबह कसरत करने से होने वाले फायदों के बारें में बताएगें।

❍ सुबह के समय व्यायाम करने से हम ऊर्जावान महसूस करते हैं, जिसके कारण हम तनाव से दूर रहते है। इसे करने से हमारे शरीर के साथ ही हमारे मानसिक को भी फायदा देता हैं।

❍ रोज व्यायाम करने से आपके सोने, जागने और खाने का समय निश्चित हो जाता है। साथ ही पाचन? क्रिया अच्छी होती है और नींद भी अच्छी आती है।

❍ सुबह की ताजी हवा में एक्सरसाइज करने से शरीर में हार्मोंस संतुलित रहते है और स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

❍ ताजी हवा में हमें मिलने वाली ऑक्सीजन सारे दिन में मिलने वाली ऑक्सीजन से ज्यादा मिलती है। जो कि हमारे फेफड़ों को मजबूत बनाती हैं।

❍ आप रोज व्यायाम करने से दिन भर में अधिक कैलोरी जला सकते है क्योंकि ऐसा करने से आपकी चयापचय क्रिया ऊंची होने लगती है।

❍ रोज एक्सरसाइज करने से शरीर में रक्त संचार ठीक रहता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है। इसके कारण हमारा इम्यून सिस्टम ठीक रहने से हम बीमार नहीं पड़ते।

❍ रोज व्यायाम करने से शरीर का मेटाबॉलिज्म रेट सही रहता है और एनर्जी भी मिलती है।

❍ रात के समय व्यायाम करने से हमें नींद अच्छी नहीं आती। पर अगर आप सुबह ताजी हवा में नियमित रूप से व्यायाम करेगे तो अच्छी नींद पा सकते हैं।

❍ व्यायाम करने से शरीर से 'फील गुड' नामक हार्मोन निकलता है जो हमारे तनाव को दूर करता है। जिसके कारम हम सारा दिन अधिक रचनात्मक रहते हैं।

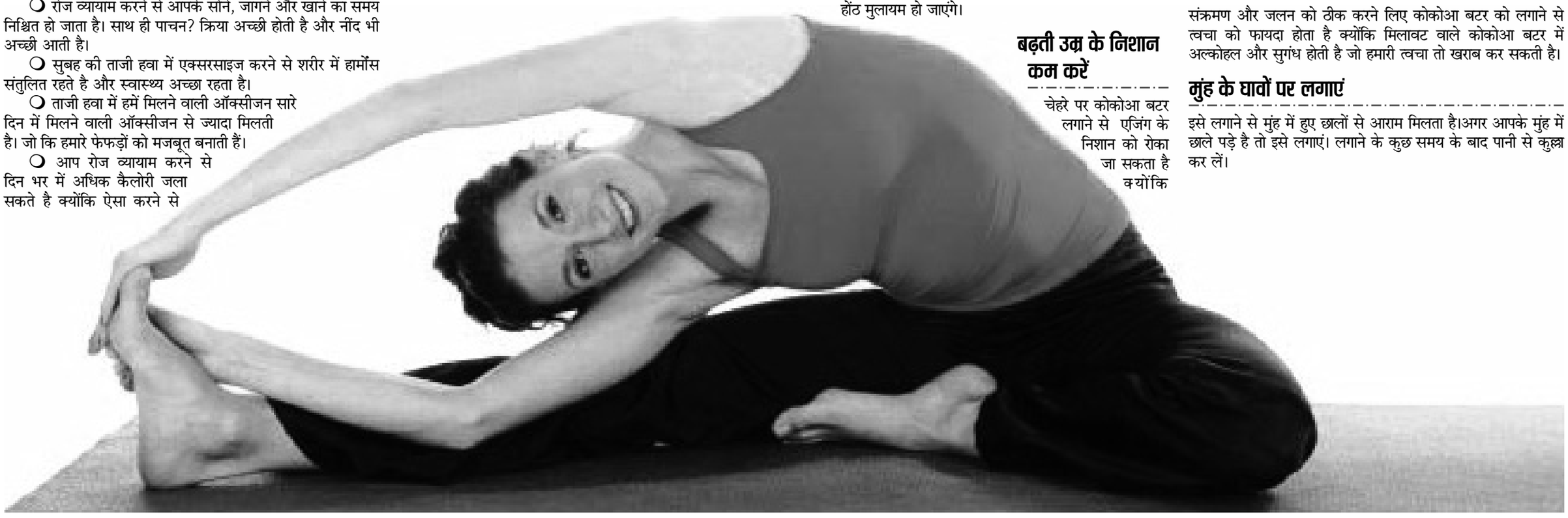

सौंदर्य में निखार देगा कोकोआ बटर

कोकोआ बटर को हम सभी सौंदर्य में निखार पाने के लिए अपनाते है। इसमें पोटैशियम, कैल्शियम, जिंक, मैंगनीज, आयरन पाया जाता है। इसे लगाने से त्वचा में नई जान आ सकती है। त्वचा के साथ यह हमारे स्वास्थ्य लाभ के लिए भी फायदेमंद है। तो आइए जानते है इसके फायदे...

स्वास्थ्य लाभ के लिए लाभ

कोकोआ बटर को कोको बीन्स से प्राप्त किया जाता है। इसका रंग पीला होता है और इसे थियाब्रोंमा तेल के नाम ले जाना जाता है। यह कोको बीन्स मध्य और दक्षिण अमेरिका में उपज होता है। इसे हम सभी सौंदर्य प्रोडक्ट में इस्तेमाल करते है। साथ ही यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है।

त्वचा के लिए फायदेमंद

कोकोआ बटर लगाने से आपकी त्वचा में कसाव आता है, साथ ही चेहरे पर रौनक आती है। इसमें लगाने से त्वचा सम्बंधी समस्याएं जैसे कि परतदार और फटी त्वचा की मरम्मत की जाती है।

होंठों के लिए है अच्छा

अगर आपके होंठ फटे और सूखें है तो इन्हें ठीक करने के लिए आप कोकोआ बटर को तेल में मिला कर ब्रश से लगाएं। इसे लगाने से आपके होंठ मुलायम हो जाएंगे।

बढ़ती उम्र के निशान कम करें

चेहरे पर कोकोआ बटर लगाने से एजिंग के निशान को रोका जा सकता है क्योंकि इसमें ओलिक एसिड, पामिटिक एसिड, और स्टीयरिक अम्ल सहित एंटीऑक्सीडेंट ज्यादा मात्रा में पाए जाते है। यह बढ़ती उम्र में होने वाली त्वचा की टोन, लोच में सुधार और त्वचा को हाइड्रेट्स करता है। इसलिए बढ़ती उम्र में जवां दिखने के लिए इसका इस्तेमाल जरूर करें।

जलन कम करें

संक्रमण और जलन को ठीक करने लिए कोकोआ बटर को लगाने से त्वचा को फायदा होता है क्योंकि मिलावट वाले कोकोआ बटर में अल्कोहल और सुगंध होती है जो हमारी त्वचा तो खराब कर सकती है।

मुंह के घावों पर लगाएं

इसे लगाने से मुंह में हुए छालों से आराम मिलता है।अगर आपके मुंह में छाले पड़े है तो इसे लगाएं। लगाने के कुछ समय के बाद पानी से कुल्ला कर लें।

खरीदारी नहीं दान का दिन है अक्षय तृतीया

क्या है अक्षय तृतीया?

अक्षय तृतीया वैशाख शुक्ल तृतीया को कहा जाता हैं। वैदिक कलैण्डर के चार सर्वाधिक शुभ दिनों में से यह एक मानी गई है। 'अक्षय' से तात्पर्य है 'जिसका कभी क्षय न हो' अर्थात जो कभी नष्ट नहीं होता। भारत के उत्तर प्रदेश ज़िले के वृन्दावन में ठाकुर जी के चरण दर्शन इसी दिन होते हैं। अक्षय तृतीया को 'अक्खा तीज' के नाम से भी पुकारा जाता है। अक्षय तृतीया को भगवान विष्णु ने परशुराम अवतार लिया था। अत : इस दिन व्रत करने और उत्सव मनाने की प्रथा है।

अक्षय तृतीया से जुड़ी कुछ रोचक बातें

■ वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया को अक्षय तृतीया कहते हैं। यह स्वयंसिद्ध मुहूर्त है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन किया गया दान, हवन, पूजन या साधना अक्षय(संपूर्ण) होता है। हिंदू धर्म शास्त्रों में अक्षय तृतीया तिथि से जुड़े और भी कई रोचक तथ्यों का वर्णन मिलता है। जैसे की भारतीय कालगणना के अनुसार वर्ष में चार स्वयंसिद्ध अभिजीत मुहूर्त होते हैं, अक्षय तृतीया (आखा तीज) भी उन्हीं में से एक है। इसके अलावा चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (गुड़ी पड़वा), दशहरा और दीपावली के पूर्व की प्रदोष तिथि भी बहुर शुभ मुहूर्त हैं।

■ धर्म ग्रंथों के अनुसार अक्षय तृतीया से ही त्रेतायुग का आरंभ भी माना जाता है। इस दिन से ही भगवान बद्रीनारायण के पट खुलते हैं। वर्ष में एक बार वृंदावन के श्री बांकेबिहारीजी के मंदिर में श्री विग्रह के चरण दर्शन होते हैं। धर्म शास्त्रों के अनुसार इसी दिन भगवान नर-नारायण ने अवतार लिया था। भगवान विष्णु के अवतार श्रीपरशुरामजी का अवतार भी इसी दिन हुआ था।

■ भगवान विष्णु का हयग्रीव अवतार भी इसी दिन माना जाता है। स्वयंसिद्ध मुहूर्त होने के कारण सबसे अधिक विवाह भी इसी दिन होते हैं। इस दिन शुभ एवं पवित्र कार्य करने से जीवन में सुख-शांति आती है और इस दिन गंगा स्नान का भी विशेष महत्व है।

अक्षय तृतीया : क्या करें इस दिन?

राशि अनुसार करें पूजा और पाएं समृद्धि

मेष : इस राशि वाले जातक भगवान गणेशजी के दर्शन करें एवं 'गं गणपतये नमः' की 9 माला करें।

वृषभ : इस राशि वाले जातक कन्या का पूजन करें एवं दुर्गा चालीसा का पाठ करें।

मिथुन : इस राशि वाले जातक शि?वशक्ति की आराधना करें।

कर्क : इस राशि वाले जातक गुरु के दर्शन करें एवं शिवाष्टक या शिव चालीसा करें।

सिंह : इस राशि वाले जातक प्रातः सूर्य दर्शन करें एवं आदित्यहृदयस्तोत्रम का पाठ करें।

कन्या : इस राशि वाले जातक माताजी (दुर्गा) के दर्शन करें एव गणेश चालीसा करें

तुला : इस राशि वाले जातक राधाकृष्ण के दर्शन करें एवं कृष्णाष्टक या '? नमो भगवते वासुदेवाय' की माला करें।

वृश्चिक : इस राशि वाले जातक शिवजी के दर्शन करें एवं शिव के द्वादश नाम का उच्चारण करें (बारह ज्योतिर्लिंग का नाम उच्चारण करें)।

धनु : इस राशि वाले जातक दत्त भगवान के दर्शन करें एवं गुरु का पाठ करें।

मकर : इस राशि वाले जातक हनुमानजी के दर्शन करें एवं हनुमान चालीसा का पाठ करें।

कुंभ : इस राशि वाले जातक राम-सीता के दर्शन करें एवं रामरक्षा स्तोत्र का पाठ करें।

मीन : इस राशि वाले जातक श्री गणेश या सांई बाबा के दर्शन करें एवं 'बृं बृहस्पते नमः' की 9 माला करें।

पुराणों के अनुसार अक्षय तृतीया पर्व के संबंध में श्रीकृष्ण ने कहा है कि यह तिथि परम पुण्यमय है। इस दिन दोपहर से पूर्व स्नान, जप, तप, होम, स्वाध्याय, पितृ-तर्पण तथा दान आदि करने वाला महाभाग अक्षय पुण्यफल का भागी होता है। इस दिन समुद्र या गंगा स्नान करना चाहिए। प्रातः पंखा, चावल, नमक, घी, शक्कर, साग, इमली, फल तथा वस्त्र का दान करके ब्राह्मणों को दक्षिणा भी देनी चाहिए। ब्राह्मणों को भोजन कराना चाहिए। आज के दिन नवीन वस्त्र, शस्त्र, आभूषणादि बनवाना या धारण करना चाहिए।

दान का महत्व

दान को वैज्ञानिक तर्कों में एनर्जी के रूपांतरण से जोड़ कर देखा जा सकता है। दुर्भाग्य को सौभाग्य में परिवर्तित करने के लिए यह दिवस सर्वश्रेष्ठ है। यदि अक्षय तृतीया सोमवार या रोहिणी नक्षत्र को आए तो इस दिवस की महत्ता हजारों गुणा बढ़ जाती है। इस दिन प्राप्त आशीर्वाद बेहद तीव्र फलदायक माने जाते हैं। भविष्य पुराण के अनुसार इस तिथि की गणना युगादि तिथियों में होती है। सतयुग, त्रेता और कलयुग का आरंभ इसी तिथि को हुआ और इसी तिथि को द्वापर युग समाप्त हुआ था।

क्षमा-प्रार्थना का दिन

हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार यह दिन सौभाग्य और सफलता का सूचक है। इस दिन को 'सर्वसिद्धि मुहूर्त दिन' भी कहते है, क्योंकि इस दिन शुभ काम के लिये पंचांग देखने की ज़रूरत नहीं होती। ऐसा माना जाता है कि आज के दिन मनुष्य अपने या स्वजनों द्वारा किये गये जाने-अनजाने अपराधों की सच्चे मन से ईश्वर से क्षमा प्रार्थना करे तो भगवान उसके अपराधों को क्षमा कर देते हैं और उसे सदगुण प्रदान करते हैं।

धार्मिक महत्त्व

पुराणों में उल्लेख मिलता है कि इसी दिन से त्रेता युग का आरंभ हुआ था। नर नारायण ने भी इसी दिन अवतार लिया था। भगवान परशुराम जी का अवतरण भी इसी तिथि को हुआ। प्रसिद्ध तीर्थस्थल बद्रीनारायण के कपाट भी इसी तिथि से ही पुनः खुलते हैं। वृन्दावन स्थित श्री बांके बिहारी जी के मन्दिर में भी केवल इसी दिन श्री विग्रह के चरण दर्शन होते हैं, अन्यथा वे पूरे वर्ष वस्त्रों से ढके रहते हैं। अक्षय तृतीया को व्रत रखने और अधिकाधिक दान देने का बड़ा ही महात्म्य है।

धार्मिक महत्त्व

■ अक्षय तृतीया में सतयुग, किंतु कल्पभेद से त्रेतायुग की शुरुआत होने से इसे युगादि तिथि भी कहा जाता है। वैशाख मास में भगवान भास्कर की तेज धूप तथा लहलहाती गर्मी से प्रत्येक जीवधारी क्षुधा पिपासा से व्याकुल हो उठता है। इसलिए इस तिथि में शीतल जल, कलश, चावल, चना, दूध, दही आदि खाद्य व पेय पदार्थों सहित वस्त्राभूषणों का दान अक्षय व अमिट पुण्यकारी माना गया है।

■ सुख शांति की कामना से व सौभाग्य तथा समृद्धि हेतु इस दिन शिव-पार्वती और नर नारायण की पूजा का विधान है। इस दिन श्रद्धा विश्वास के साथ व्रत रखकर जो प्राणी गंगा-जमुनादि तीर्थों में स्नान कर अपनी शक्तिनुसार देव स्थल व घर में ब्राह्मणों द्वारा यज्ञ, होम, देव-पितृ तर्पण, जप, दानादि शुभ कर्म करते हैं, उन्हें उन्नत व अक्षय फल की प्राप्ति होती है।

सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है खरीदा हुआ सोना

'अक्षय तृतीया' के दिन ख़रीदे गये वेशक़ीमती आभूषण एवं सामान शाश्वत समृद्धि के प्रतीक हैं। इस दिन ख़रीदा व धारण किया गया सोना अखण्ड सौभाग्य का प्रतीक माना गया है। इस दिन शुरू किये गए किसी भी नये काम या किसी भी काम में लगायी गई पूँजी में सदा सफलता मिलती है और वह फलता-फूलता है। यह माना जाता है कि इस दिन ख़रीदा गया सोना कभी समाप्त नहीं होता, क्योंकि भगवान विष्णु एवं माता लक्ष्मी स्वयं उसकी रक्षा करते हैं।

अक्षय तृतीया पर सुबह से रात तक करें ये 5 उपाय:

■ अगर आप किसी परेशानी के कारण अधिक खर्च, धन हानि या आर्थिक समस्या से जूझ रहें हैं और इससे बाहर निकलना चाहते हैं तो शास्त्रों में लक्ष्मी की प्रसन्नता के कई उपाय बताए गए है। इनमें से खासतौर अक्षय तृतीया के महासंयोग में ये 5 उपाय सुबह उठने से लेकर रात तक अपनाना

■ मां तुलसी को लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है। आखा तीज पर तुलसी में देवपूजा या पवित्र जल चढ़ाएं। तुलसी में अपवित्र जल न डालें और शाम और रात के वक्त तुलसी के पत्ते न तोडें।

■ आखा तीज को किसी तीर्थ या पवित्र जलाशय पर जाकर अर्घ्य दें। पवित्रता में मां लक्ष्मी का वास माना गया है। इसलिए माना जाता है कि तीर्थस्थान पर जाने मात्र से भी माता लक्ष्मी की कृपा होती है।

■ शाम के वक्त घर के प्रवेश द्वार व तुलसी के पौधे के करीब गाय के घी का दीप जलाएं। शाम का वक्त मां लक्ष्मी का भ्रमण काल भी माना जाता है। वहीं तुलसी और गाय पवित्र व लक्ष्मी स्वरूपा मानी गई है।

■ सुबह और शाम होने से पहले घर में आंगन में पानी छिड़कें। अशोक के पेड़ में जल चढ़ाएं व उसका पत्ता गंगाजल में धोकर देवालय में रखें और किसी भी लक्ष्मी मंत्र से माता लक्ष्मी का ध्यान कर भरपूर सुख-समृद्धि की कामना करें।

इन सब उपायों की शुरुआत सुबह जागें तो सबसे पहले हथेलियों और हाथों की लकीरों को देखकर करें। शास्त्रों में लिखा है कि कराग्रे वसते लक्ष्मी यानी हाथों के अगले हिस्से में माता लक्ष्मी का वास माना गया है।

सुखी जीवन जीने के अचूक उपाय

- ■ कन्या के सुखी विवाहिक जीवन के लिए विवाह के पश्चात् जब कन्या की विदाई होने वाली हो तो किसी पीले रंग के धातु के लोटे में गंगाजल लेकर,उसमें थोडी सी पिसी हल्दी मिलाएं फिर एक तांबे का सिक्का उस लोटे में डालकर कन्या के ऊपर से 7 बार उतार कर उसके आगे गिरा दें, कन्या का वैवाहिक जीवन सदा सुखमय रहेगा।
- ■ यदि कन्या विवाह के चार दिन पूर्व साबुत हल्दी की 7 गांठे, पीतल के 3 सिक्के, थोडा सा केसर, गुड और चने की दाल इन सबको एक पीले वस्त्र में बाँधकर अपनी ससुराल की दिशा में उछाल दें तो उसको अपने पति और ससुराल के अन्य सभी सदस्यों का सदैव भरपूर प्यार मिलेगा।
- ■ यदि कोई कन्या विदाई के बाद अपने ससुराल में प्रवेश करने से पहले चुपचाप मेहंदी में मिले हुए साबुत उडद गिरा दे और फिर प्रवेश करे तो उसका दाम्पत्य जीवन सदा सुखमय रहेगा , उसकी अपने पति और ससुराल के अन्य सदस्यों से सदैव अच्छे सम्बन्ध बने रहेंगे।
- ■ घर में रोज या सप्ताह में एक बार नमक मिले पानी का पोछा अवश्य लगाएं।
- ■ यदि घर में पत्नी अपने हाथों में कम से कम 2 सोने की या पीली चूड़ी पहने तो भी दाम्पत्य जीवन में प्रेम और घर में सुख बना रहता है ।
- ■ जहाँ तक संभव हो मंगलवार , ब्रहस्पतिवार और शनिवार को घर का कोई भी सदस्य न तो नाखून, बाल काटें , और ना ही शेव बनाये , इसके अतिरिक्त ब्रहस्पतिवार और शनिवार को घर में कपडे भी ना धोएं , नहाते हुए सिर को गीला ना करें और बालों में तेल भी कतई ना लगायें ।
- ■ यदि व्यक्ति सुबह नाश्ते में पत्नी या माँ के द्वारा केसर मिश्रित दूध का सेवन करें और काम में जाते समय नियमपूर्वक उनके हाथ से जबान में केसर लगाये और थोड़ी सी चीनी खाए तो घर में सदैव सुख शांति और आर्थिक समृद्धि बनी रहती है ।
- ■ यदि घर में क्लेश रहता है या घर के सदस्यों में मतभेद रहते है तो घर में आटा शनिवार को ही पिसवाएं या खरीदे और साथ ही 100 ग्राम पिसे काले चने भी लें जो उस आटे में मिला दें जल्दी ही स्थिति में सुधार होते हुए देखेंगे ।
- ■ जब भी घर में खाने-पीने की कोई वस्तु (मिठाई , फल आदि) आए तो सबसे पहले भगवान को भोग लगायें। फिर घर के बड़े बुजुर्गो और बच्चों को देकर ही पति-पत्नी उस वस्तु का सेवन करें, यह बहुत ही चमत्कारी और परखा हुआ उपाय है बुजुर्गो के आशीषों और बच्चों के खुशियों से घर में सर्वत्र हर्ष, शुभता का वातावरण बनेगा और उस घर में कभी भी अन्न और धन की कमी नहीं रहेगी ।
- ■ यदि घर में पति पत्नी में मतभेद होते है तो 11 गोमती चक्रों को लाल रंग की सिंदूर की डिब्बी में रखकर घर में रखें तो उनके बीच के सभी प्रकार के क्लेश दूर हो जाएंगे।
- ■ कभी खाली हाथ घर में प्रवेश न करें। कुछ फल, पेय या मिठाई लेकर घर में प्रवेश करेंगे तो सदैव समृद्धि बरक़रार रहेगी।

भगवान परशुराम आज भी महेंद्र पर्वत पर निवास करते हैं

समस्त सनातन जगत के आराध्य, भगवान विष्णु के छठे अवतार, अजर, अमर, अविनाशी भगवान परशुराम जी का प्राकट्य बैसाख मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया (अक्षय तृतीया) को माता रेणुका तथा पिता जमदग्नि के गृह निवास में हुआ

समस्त सनातन जगत के आराध्य, भगवान विष्णु के छठे अवतार, अजर, अमर, अविनाशी भगवान परशुराम जी का प्राकट्य बैसाख मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया (अक्षय तृतीया) को माता रेणुका तथा पिता जमदग्नि के गृह निवास में हुआ। जब-जब भी मानवता पर अत्याचार होता है, साधु पुरुषों के परित्राण हेतु भगवान अपने रूप को रचते हैं तथा दुष्टों का विनाश कर सुखप्रदायक धर्म की स्थापना करते हैं।

जिस मानवीय समाज में समानता, सत्य, अहिंसा, दया, करुणा का व्यवहार होता है, वहां धर्म सदैव प्रतिष्ठित रहता है। शस्त्र एवं शास्त्र का ज्ञान समाज के कल्याण हेतु ऋषियों, मुनियों, ब्राह्मणों द्वारा आदिकाल से प्रदान किया जाता रहा है लेकिन जब इस ज्ञान का प्रयोग उस समय के शासक वर्ग द्वारा समाज के अनिष्ट के लिए किया जाने लगा तथा साधारण जनमानस को उनके मूलभूत अधिकारों से वंचित किया जाने लगा तब भगवान परशुराम जी ने ब्राह्मण कुल में जन्म लेकर उन अत्याचारी क्रूर शासक वर्ग को दंडित करने के लिए शस्त्र उठाया।

हैहय वंशाधिपति कार्त्तवियर्य अर्जुन ने घोर तप कर भगवान दत्तात्रेय से एक सहस्र भुजाएं तथा युद्ध में किसी से परास्त न होने का वर पाया। एक समय आखेट करते वह जमदग्नि ऋषि के आश्रम में आ पहुंचा, वहां उसने ऋषि के आश्रम में देवराज इंद्र द्वारा उन्हें प्रदत्त कपिला कामधेनु (गाय) के प्रभाव से समस्त सैन्य दल का अद्भुत आतिथ्य सत्कार होते देखा। तब उसने लोभ वश ऋषि से कामधेनु की मांग की।

ऋषि द्वारा मना करने पर वह ऋषि जमदग्नि की अवज्ञा करते हुए कामधेनु को बलपूर्वक छीन कर ले गया। जब भगवान परशुराम जी को यह ज्ञात हुआ तो उन्होंने मार्ग में ही सहस्त्रार्जुन को रोक कर कामधेनु लौटाने को कहा लेकिन सहस्त्रार्जुन युद्ध के लिए तत्पर था। युद्ध में भगवान परशुराम जी ने उससे युद्ध कर उसकी सभी भुजाएं काट डालीं तथा उसका वध कर दिया। तब सहस्त्रार्जुन के पुत्रों ने भगवान परशुराम जी की अनुपस्थिति में भगवान परशुराम जी के पिता ऋषि जमदग्नि का वध कर दिया। इस घटना से भगवान परशुराम अत्यंत क्रोधित हुए। उन्होंने अहंकारी और दुष्ट हैहयवंशी शासकों से 21 बार युद्ध किया।

भगवान शिव के परम भक्त भगवान परशुराम जी को दिव्य, अमोघ परशु भगवान शिव से प्राप्त हुआ। भगवान शिव की कृपा से भगवान परशुराम जी को भगवान श्री कृष्ण का त्रैलोक्य विजय कवच प्राप्त हुआ। भगवान परशुराम जी ने वैदिक सनातन संस्कृति की रक्षा की। उनके अनुसार राजा का कर्तव्य होता है, प्रजा के हितों की रक्षा करना न कि उनसे आज्ञा पालन करवाना।

ब्रह्मवैवर्त पुराण में एक कथा के अनुसार भगवान परशुराम जी एक समय भगवान शंकर के दर्शनार्थ कैलाश में बलपूर्वक प्रवेश करने लगे तब गणेश जी के साथ हुए युद्ध में गणेश जी का एक दांत टूट गया जिससे वह एकदंत कहलाए।

त्रेतायुग में भगवान श्री राम जी के अवतार के समय मिथिलापुरी पहुंच कर अपने संशय निवृत्त कर वैष्णव धनुष श्री राम को प्रदान किया। महाभारत के प्रसिद्ध पात्रों भीष्म, द्रोण व कर्ण को भी भगवान परशुराम जी ने शस्त्र विद्या प्रदान की। इनकी इच्छित फल प्रदाता परशुराम गायत्री भी है।

जामदगन्याय विद्महे महावीराय धीमहि।
तन्नोपरशुराम : प्रचोदयात।

भगवान श्री हरि विष्णु जी के कलियुग में होने वाले कल्कि अवतार में भगवान को भगवान परशुराम जी द्वारा ही वेद-वेदाङ्ग की शिक्षा प्रदान की जाएगी। वे ही कल्कि को भगवान शिव की तपस्या करके उन्हें उनके दिव्यास्त्र को प्राप्त करने के लिए कहेंगे। भगवान परशुराम जी हनुमान जी, विभीषण की भांति चिरंजीवी हैं तथा महेंद्र पर्वत पर निवास करते हैं और योग्य अधिकारी भक्तों को अपने दर्शन देते हैं।

सिद्धार्थ से जुड़े सवाल को टाल गईं आलिया

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने अपने कथित बॉयफ्रेंड से जुड़ी बातों को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बेहद खूबसूरती से टाल दिया। अक्सर यह खबरें आती रहती हैं कि आलिया भट्ट और सिद्धार्थ मल्होत्रा के बीच कुछ पक रहा है। जब एक्ट्रेस की तरफ ऐसे सवाल उछाले गए तो उन्होंने एक का भी जवाब नहीं दिया।

उन्होंने रिपोटर्स से कहा 'मैं सिर्फ इतना कहना चाहूंगी कि मैं यहां 'इक कुडी' के बारे में बात करने के लिए हूं। मुंडे को घर पर ही छोड़िए।' सिद्धार्थ और आलिया ने करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से एक्टिंग करियर शुरू किया था। हाल ही में दोनों की 'कपूर एंड संस' रिलीज हुई थी, जो हिट रही थी। अब आलिया अपनी आने वाली फिल्म 'उड़ता पंजाब' के प्रचार में व्यस्त हैं।

आलिया रिलीज कर सकती हैं एलबम

एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने कई गानों को अपनी आवाज दी है और उनका कहना है कि वे भविष्य में कभी अपना एलबम रिलीज कर सकती हैं।

आलिया ने 'कपूर एंड संस', 'हाईवे' और 'हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया' में गाने गाए हैं। 'उड़ता पंजाब' के गाने 'इक कुडी÷ के लॉन्च पर जब उनसे एलबम की बात की गई तो वे बोलीं 'निश्चित तौर पर मैं गाना चाहती हूं लेकिन मैं अच्छी प्रोफेशनल सिंगर नहीं हूं। अगर मुझे मौके मिलते रहेंगे तो मैं गाती रहूंगी। अभी वैसे पूरा ध्यान सिर्फ एक्टिंग पर है। बाद में कभी मैं एलबम लेकर आऊं।'

'इक कुडी' गाने को अमित त्रिवेदी ने कंपोज किया है और पंजाबी स्टार दिलजीत दोसांझ ने गाया है। दिलजीत 'उड़ता पंजाब' में एक्टिंग कर रहे हैं। आलिया ने बताया 'दिलजीत ने यह गाना कमाल गाया है। मैं उनके गानों और उनकी आवाज की फैन हूं। वे हमेशा निराले अंदाज में गानों को आवाज देते हैं।'

'उड़ता पंजाब' को अभिषेक चौबे ने निर्देशित किया है। पंजाब और ड्रग्स के संबंध को लेकर बनी इस फिल्म के लिए उन्होंने लगभग चार साल तक पड़ताल की। शाहिद कपूर का इसमें लीड रोल है जो ड्रग लेने वाले रॉकस्टार टॉमी सिंह का है। आलिया एक बिहारी लड़की की भूमिका में हैं। करीना कपूर को डॉक्टर का रोल मिला है तो दिलजीत को पुलिसवाले का। यह फिल्म 17 जून को रिलीज हो रही है।

लूलिया वंतूर से जल्द शादी करने वाले हैं सलमान खान!

सलमान खान की गर्लफ्रेंड लूलिया वंतूर को सलमान के परिवार के साथ देखा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुंबई एयरपोर्ट पर लूलिया वंतूर सलमान के परिवार के साथ देखी गई। सलमान की मां सलमा ने लूलिया का हाथ पकड़ रखा था। इससे पहले मीडिया में खबर आई थी कि सलमान अपनी गर्लफ्रेंड लूलिया से शादी करने वाले हैं। गौर हो कि सलमान की फिल्म सुल्तान की शूटिंग पूरी हो गई है। सलमान वापस मुंबई आ गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि मुंबई एयरपोर्ट पर लूलिया सलमान के परिवार के साथ देखी गईं। इन तस्वीरों के आउट होने से साफ हो गया है कि फिल्म की शूटिंग के दौरान लूलिया सलमान के साथ ही थी। सलमान की मां सलमा और उनकी बहन के साथ लूलिया को

मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। ऐसे में अब खबरें आ रही हैं कि सलमान जल्द ही लूलिया के साथ शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। बताया जा रहा है कि सलमान और लूलिया ने मुंबई एयरपोर्ट पर एंट्री और एग्जिट अलग-अलग किया। लूलिया सलमा और अलवीरा के साथ रवाना हईं जबकि सलमान अपने बॉडीगार्ड्स के साध घर की तरफ रवाना हुए।

कमजोर दिलवाले ना देखें नवाजुद्दीन का ये खौफनाक चेहरा?

नवाजुद्दीन की दमदार एक्टिंग का हर कोई कायल है. नवाजुद्दीन एक ऐसे कलाकर हैं जिनके सिर्फ नाम से अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म कैसी होगी. चर्चा तो पहले से थी कि नवाज और अनुराग की जोड़ी जल्द ही बड़े परदे पर नजर आने वाली है. लेकिन उनकी ये फिल्म रिलीज से पहले ही इतना धमाका करने वाली है इसका अंदाजा नहीं था. इस फिल्म में उन्हें सीरियल किलर की भूमिका में देखा जाएगा. फिल्म है रमन राघव 2.0. अनुराग कश्यप की यह फिल्म छोटे बजट की है.

माना जाता है कि खूंखार रमन राघव का जन्म 1929 में पुणे के पास एक गांव में हुआ था. वहीं कुछ लोग उसे तमिल बताते थे. उसने पुलिस को बताया था कि वह पहले एक फैक्ट्री में काम करता था. इस दौरान उस पर चोरी और डकैती में पकड़ा गया था. ट्रायल के दौरान रमन के सीजोफ्रेनिया से पीड़ित होने की बात सामने आई. इसके बाद 1969 में हाईकोर्ट ने फांसी को उम्रकैद में बदल दिया. रमन महिलाओं को अपना शिकार बनाता था. उसने कई बार मर्डर कर लाशों के साथ सेक्स किया और सफाई में कहा कि ये मेरी मर्जी थी.

प्रियंका के पास शादी के लिए समय नहीं

प्रियंका चोपड़ा के पास अभी शादी करने के लिए समय नहीं है क्योंकि वे इन दिनों काफी व्यस्त हैं। उनको अक्सर इस सवाल का सामना करना पड़ता है कि वह शादी कब करेंगी? उन्होंने तो इस सवाल का जवाब अब तक नहीं दिया है, लेकिन उनकी माँ ने ज़रूर तस्वीर साफ़ कर दी है। प्रियंका की मां मधु चोपड़ा ने कहा 卐जब भी प्रियंका के पास समय होगा वह शादी कर लेंगी। उन्होंने कहा कि शादी करने की उम्र हो गई है इसलिए शादी कर लेनी चाहिए, यह लॉजिक बहुत बेकार है और प्रियंका इस आधार पर कतई शादी नहीं करेगी।मधु चोपड़ा ने कहा 卐आजकल मैं कई शादियों को टूटते हुए देख रही हूं, लोगों के पास एक-दूसरे को देने के लिए वक़्त नहीं होता इसीलिए उनका रिश्ता मजबूत नहीं हो पाता है। प्रियंका ऐसा नहीं करेंगी, जब भी प्रियंका के पास अपने रिश्ते को देने के लिए भरपूर वक़्त होगा, वो शादी करेंगी। वह हर काम को अपना सौ फ़ीसदी देती हैं, अपने रिश्ते के लिए उसके पास जब पूरा वक़्त होगा और वो रिश्ते की जिम्मेदारियों को निभा सकेंगी तभी शादी के बंधन में बंधेगी।

किसकी हीरोइन बनना चाहते हैं इरफान!

इस एक्ट्रेस की हीरोइन बनना चाहते हैं इरफान खान बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट केवल ऐसी फिल्मों में ही काम करना चाहती हैं जिसमें वह सिंगल लीड रोल में हों. कंगना ने एक्टर इरफान खान के साथ 'डिवाइन लवर्स' में काम करने से इसी आधार पर इनकार कर दिया है, जिसपर इरफान ने चुटकी ली है. कंगना के साथ काम करने का मौका न मिल पाने के सवाल पर इरफान ने कहा, 'मैं नहीं जानता कि मैं उनके साथ 'डिवाइन लवर्स' में काम कर पाऊंगा या नहीं. कंगना इतनी ऊपर उठ चुकी हैं कि मैं उनके साथ तभी काम कर पाऊंगा, अगर मैं उनके साथ एक एक्ट्रेस के तौर पर काम करना चाहूं. इसलिए अगर मुझे कोई ऐसी कहानी मिलती है, जिसमें वह एक्टर और मैं एक्ट्रेस का किरदार निभाऊं तो मैं उसमें जरूर काम करूंगा.' बता दें कि कंगना ने निर्देशक साई कबीर की फिल्म 'डिवाइन लवर्स' में यह कहकर काम करने से इनकार कर दिया कि वह सिंगल लीड रोल ही करना चाहती हैं. अब इस फिल्म में कंगना की जगह जरीन खान नजर आएंगी.

सनी लियोनी का ऐलान फिल्मों में नहीं करेंगी किसिंग सीन!

पॉर्न स्टार से बॉलीवुड हिरोइन बनी सनी लियोनी ने ऐलान किया है कि वो अब फिल्मों में कीसिंग सीन और कोई भी बोल्ड सीन नहीं करेंगी। एक अंग्रेजी वेबसाइट पर छपी खबर के मुताबिक सनी ने ये फैसला किया है कि अब वो अपने कॉन्ट्रैक्ट में क्लाज रखेंगी कि वोव फिल्मों में ऐसे सीन नहीं करेंगी। खबर है कि सनी के इस फैसले से कई निर्माता-निर्देशक परेशान हैं। सनी की पहचान ही बोल्डनेस से होती है। अभी तक सनी की जितनी फिल्में आई हैं, उसमें उन्होंने काफी बोल्ड सीन किए हैं। ऐसे में सनी का ये फैसला लोगों के लिए हैरान करने वाला है। सनी लियोनी का ऐलान, फिल्मों में नहीं करेंगी किसिंग सीन! 2012 में जिस्म-2 रिलीज हुई, फिल्म तो फ्लॉप हो गई, लेकिन सनी का बोल्ड अंदाज लोगों को भा गया और फिर सनी को बॉलीवुड में खुद को स्थापित करने का मौका मिल गया। गौरतलब है कि सनी ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत फिल्म जिस्म से की थी, फिल्म तो फ्लॉप हो गई, लेकिन सनी का करियर चल पड़ा और उन्हें उनके इमेज के हिसाब से ही फिल्में मिलने लगीं। सनी की फिल्में भले ही फ्लॉप हों, लेकिन उनके पास काम की कमी नहीं हैं, लेकिन सनी के इस क्लॉज के बाद उनको किस तरह के रोल मिलेंगे ये देखना दिलचस्प होगा।